www.dainikjayantnews.com
कोटद्वार, बुधवार
26 अगस्त 2026
वर्ष: 49
अंक: 113 पृष्ठ: 6
मूल्य: 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

पूर्व सीडीएस अनिल चौहान बोले

युद्ध और राजनीति अलग नहीं, सरकार को ऑप्शन देना सेना की जिम्मेदारी

नईदिल्ली (एजेंसी)। पूर्व चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान ने कहा कि सैन्य शक्ति राजनीतिक इच्छा का सीधा विस्तार है। किसी देश के राजनीतिक हित सबसे ऊपर होते हैं और सशस्त्र बल उन हितों की रक्षा करने वाले कई माध्यमों में से एक हैं।

उन्होंने कहा- शुरुआत इस बात से करते हैं कि राजनीति और युद्ध अलग नहीं हैं। क्लॉजविट्ज ने कहा था कि युद्ध दूसरे माध्यमों से राजनीति को आगे बढ़ाना है।

पूर्व चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान ने मंगलवार को नई दिल्ली में ऑपरेशन सिंदूर और उसके बाद के हालात पर चर्चा की। यह आयोजन विवेकानंद इंटरनेशनल फाउंडेशन ने रखा था। इस दौरान पूर्व सीडीएस ने राष्ट्रीय सुरक्षा और लोकतांत्रिक शासन के रिश्ते पर बात की।

चौहान बोले- युद्ध और राजनीति अलग नहीं

जनरल चौहान ने प्रूशियाई जनरल कार्ल वॉन क्लॉजविट्ज की प्रसिद्ध बात का जिक्र किया कि युद्ध दूसरे माध्यमों से राजनीति को आगे बढ़ाने का तरीका है। उन्होंने कहा, किसी देश के राजनीतिक हित सबसे ऊपर होते हैं और सशस्त्र बल उनकी रक्षा के लिए काम करने वाले माध्यमों में से सिर्फ एक हैं। ऐसे कई माध्यम होते हैं।

नई पीढ़ी को जिम्मेदारी देने का समय: गडकरी

अब पहले जितना काम नहीं कर सकता, बाद में सफाई- इसका राजनीति से लेना-देना नहीं

नागपुर (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के जिम्मेदारी नई पीढ़ी के हाथों में सौंपने वाले बयान पर मंगलवार को सफाई आई। गडकरी के ऑफिस ने कहा, उन्होंने अपने ट्रस्ट से जुड़े सामाजिक कार्यों की जिम्मेदारी नई पीढ़ी को सौंपने की बात कही थी।

ऑफिस ने कहा कि उनके बयान का राजनीति से कोई संबंध नहीं है। दरअसल, गडकरी के इस बयान को उनके राजनीति से रिटायरमेंट लेने से जोड़ दिया था। गडकरी का यह बयान 23 अगस्त का है। पुणे में एक कार्यक्रम में कहा था, 'अब ज्यादा काम नहीं कर सकता। जब कर सकता था, तब किया। नई पीढ़ी को जिम्मेदारी सौंपनी चाहिए।' नितिन 37 साल से ज्यादा राजनीति में हैं। पिछले 12 साल से मोदी सरकार में कैबिनेट मंत्री हैं। इनके पास सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय है।

सीएम योगी का बड़ा ऐलान

यूपी में 1 लाख युवाओं को सरकारी नौकरी मिलेगी

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी में 6 महीने के अंदर 1 लाख युवाओं को सरकारी नौकरी मिलेगी। सीएम योगी ने मंगलवार को लखनऊ में इसका ऐलान किया। उन्होंने कहा- अगले 6 महीने में 1 लाख नौजवानों को जॉइनिंग लेटर बांटूंगा। पिछले 9 साल में 9.30 लाख युवाओं को सरकारी नौकरी दी गई है। उनकी ऊर्जा और प्रतिभा का फायदा यूपी की अर्थव्यवस्था को मिला है।

चीनी की कोई कमी नहीं 122 चीनी मिलें चल रहीं

मुख्यमंत्री ने कहा कि चीनी की प्रदेश में कोई कमी नहीं है। पिछली सरकारों के दौरान 29 चीनी मिलें बंद की गईं। 21 मिलों को औने-पौने दामों पर बेच दिया गया। इसके विपरीत वर्तमान सरकार में 122 चीनी मिलें संचालित हैं।

पहले नौकरी निकलते ही चाचा-भतीजे की जोड़ी वसूली में जुट जाती थी

सीएम ने अखिलेश और शिवपाल यादव पर हमला बोला। कहा- 2017 से पहले नौकरी निकलते ही चाचा-भतीजे की जोड़ी वसूली के लिए प्रदेश में निकल पड़ती थी। युवा परीक्षा देता था, लेकिन परिणाम नहीं आता था। मामला कोर्ट में जाता और स्टे लग जाता था। युवाओं का समय और उम्र दोनों बर्बाद होते थे। अब चाचा-भतीजे का सिस्टम नहीं चलता है। भाजपा सरकार ने नकल माफिया और भर्ती प्रक्रिया में बैठे माफिया पर कार्रवाई की।

संक्षिप्त समाचार

भाई ने की दो बहनों की गोली मारकर हत्या

रुड़की में बड़ी वारदात

रुड़की। भाई ने अपनी दो बहनों की हत्या कर दी। इसके साथ ही एक अन्य व्यक्ति पर भी गोली चलाई।

एसपी देहात के अनुसार, भाई ने दो बहनों को गोली मारी, जिसमें दोनों की मौत हो गई है। बताया जा रहा है कि आरोपी भाई पहले रुड़की में प्रीत विहार स्थित अपनी बहन संगीता के घर पहुंचा और उसको गोली मारी।

इसके बाद वह दूसरी बहन पुष्पा जो आज़ाद नगर में रहती है उसे गोली मारी। इस दौरान उसकी भी मौत हो गई। इसके साथ ही पुष्पा के साथ रह रहे एक व्यक्ति संदीप पर भी आरोपी युवक ने गोली चलाई। इस दौरान वह गंभीर रूप से घायल हो गया।

चंपत राय के खिलाफ संतों की बैठक पुलिस ने रोकी

गुस्साए संतों ने चंदा चोर के नारे लगाए

अयोध्या (एजेंसी)। अयोध्या में कारसेवकपुरम के पास मंगलवार को ओम आश्रम में राम मंदिर चढ़ावा चोरी और चंपत राय के खिलाफ चल रही संतों की बैठक को पुलिस ने रोक दिया। संतों का आरोप है कि बैठक के

बीच पुलिस पहुंची और संतों को बाहर निकालकर आश्रम में ताला लगा दिया।

इससे गुस्साए संतों ने 'चंदा चोरों, अयोध्या छोड़ो' के नारे लगाए। हालांकि, पुलिस का कहना है कि रोकने से पहले ही संत खुद आश्रम से बाहर निकल गए और नारेबाजी करने लगे। संतों का कहना है-चंदा चोरी के छोटे आरोपियों पर कार्रवाई की गई, जबकि बड़े आरोपियों को बचाया जा रहा है। जिला प्रशासन आरोपियों का साथ दे रहा है। वह नहीं चाहता कि आरोपी पकड़े जाएं। इसलिए संतों की बैठक नहीं होने दी जा रही है।

इलाहाबाद हाईकोर्ट बोला- स्कूल में हिजाब पहनने की इजाजत नहीं

इलाहाबाद (एजेंसी)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने स्कूलों में हिजाब पहनने की इजाजत देने से इनकार कर दिया है। कोर्ट ने सोमवार को कहा स्कूल में यूनिफॉर्म के नियम का पालन करना जरूरी है। इससे बच्चों में बराबरी की भावना रहती है। स्कूल की अपनी पहचान भी बनती है।

फूड कंपनियों ने किया विरोध

मीठे ड्रिंक्स और चिप्स पर चेतावनी वाले निशान लगाना चाहती थी सरकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। लंदन में बिकने वाले फैंटा के एक कैन में महज 63 कैलोरी होती है। लेकिन अगर आप वही कैन भारत में खरीदते हैं, तो आपको न केवल तीन गुना अधिक चीनी मिलती है, बल्कि साथ में मिलता है कृत्रिम रंग जिसे यूरोपीय देशों में सेहत के लिए हानिकारक माना जाता है। यूरोप में नियम इतने सख्त हैं कि इस रंग के इस्तेमाल पर पैकेट पर प्रमुखता से स्वास्थ्य चेतावनी देना अनिवार्य है।

इसके विपरीत, भारत में इसी चेतावनी को कैन के पीछे बेहद छोटे अक्षरों में छिपा दिया जाता है। यह दोहरा रवैया वैश्विक खाद्य

दिग्गजों की सोची-समझी रणनीति का हिस्सा है, जिसके तहत वे लंबे समय से भारत में पैकेटबंद उत्पादों के सामने पोषण संबंधी चेतावनियों को अनिवार्य करने वाले सरकारी प्रयासों का विरोध कर रहे हैं।

तावनी वाले लेबल पर एफएसएसएआई का नरम रुख

कोका-कोला जैसी उपभोक्ता दिग्गज कंपनियों का पलड़ा इस मामले में भारी दिख रहा है। भारत के खाद्य सुरक्षा नियामक, एफएसएसएआई ने बीते अगस्त में कहा था कि उसने खाद्य पैकेजिंग के सामने रंगीन चेतावनियां छापने के अपने प्रस्ताव को छोड़ दिया है। नियामक का तर्क था कि पश्चिमी भोजन की तुलना में भारतीय व्यंजनों में अधिक तीखे और तीव्र स्वाद होते हैं, इसलिए इस तरह के चेतावनी लेबल सही नहीं हैं।

कंपनियों की दोहरी नीति

19 मार्च की बैठक में कोका-कोला इंडिया की वरिष्ठ अधिकारी मिली भट्टाचार्य ने कहा कि यह मानना बहुत ही सरल है कि जो उपभोक्ता पहले से ही पैकेट के पीछे लिखी सामग्री की सूची नहीं पढ़ता, वह केवल एक प्रतीक या आइकन देखकर अपने खान-पान में सुधार कर लेगा। उन्होंने यह भी कहा कि भारत में डॉक्टर अपने मरीजों को पहले ही बता देते हैं कि उन्हें क्या खाना चाहिए और क्या नहीं, इसलिए ऐसे लेबल अनावश्यक हैं। हालांकि, कोका-कोला और नेस्ले जैसी कंपनियां यूरोप और ब्रिटेन के बाजारों में स्वेच्छा से ट्रैफिक-लाइट शैली वाले लेबल और चेतावनियों का उपयोग करती हैं। ब्रिटेन में नेस्ले 2013 से इसका उपयोग कर रही है, लेकिन भारत में यह कंपनियां ऐसे प्रस्तावों का कड़ा विरोध कर रही हैं। कोका-कोला और नेस्ले दोनों ने इस रिपोर्ट पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया।

दिल्ली में इन्फ्लूएंजा के 3000 से अधिक केस

सीएम ने बुलाई बैठक, मंत्री बोले- स्थिति कंट्रोल, दवाओं की कमी नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में इन्फ्लूएंजा के मामलों में लगातार हो रही वृद्धि के बीच, मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने एक आपातकालीन समीक्षा बैठक बुलाई है। मंगलवार को दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री पंकज सिंह ने इसकी जान कारी देते हुए आश्वस्त किया कि घबराने की कोई जरूरत नहीं है और स्थिति पूरी तरह से सरकार के नियंत्रण में है।

डॉक्टरों और दवाओं की कोई कमी नहीं

स्वास्थ्य विभाग, एमसीडी, एनडीएमसी और दिल्ली कैंटोनमेंट बोर्ड के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक करने के बाद एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए स्वास्थ्य मंत्री पंकज कुमार सिंह ने कहा कि अस्पतालों में डॉक्टरों, मेडिकल स्टाफ या दवाओं की कोई कमी नहीं है। मुख्यमंत्री ने एक आपातकालीन समीक्षा बैठक बुलाई है।

बिहार स्टूडेंट यूनियन के आंदोलन में बवाल

पटना में छात्रों पर लाठीचार्ज, दौड़ाकर पीटा, पथराव में कई पुलिसकर्मी घायल, वाटर कैनन चली, सीआरपीएफ से झड़प

पटना (एजेंसी)। बीपीएससी-डीआरई-4 में पीटी-मेन, नेगेटिव मार्किंग हटाने और 100 प्रतिशत डोमिसाइल की मांग को लेकर पटना के गर्दनीबाग में छात्रों का आंदोलन जारी है। मंगलवार को ऑल बिहार स्टूडेंट यूनियन के छात्र सीएम हाउस का घेराव करने निकले।

छात्रों को रोकने के लिए जेपी गोलंबर पर पुलिस के साथ-साथ सीआरपीएफ जवानों को भी तैनात किया गया, लेकिन छात्र बैरिकेडिंग तोड़ते हुए डाकबंगला पहुंच गए। इस दौरान छात्रों की सीआरपीएफ जवानों के साथ धक्का-मुक्की हुई। प्रदर्शन के दौरान एक छात्र का सिर फट गया, जबकि एक छात्रा बेहोश हो गई। पुलिस ने छात्रों को रोकने के लिए वाटर कैनन का इस्तेमाल किया। पानी की बौछार के बीच

प्रदर्शन कर रहे छात्र शैंपू लगाकर नहाते भी दिखे। कुछ छात्रों ने पुलिस की ओर पत्थरबाजी भी की, जिसमें टाउन डीएसपी कामाख्या नारायण सिंह घायल हो गए।

हाथी चले बाजार..कुत्ते भौंके हजार, बयान पर बीपीएससी ने माफी मांगी

सोमवार को पटना में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान राजेश कुमार सिंह से गर्दनीबाग में छात्रों के प्रदर्शन को लेकर कहा था कि एक कहावत आपने सुना होगा, हाथी चले बाजार तो कुत्ते भौंके हजार। उनके इस बयान के बाद प्रदर्शन कर रहे छात्र भड़क गए। एक बार कॉकरोच बोला गया था, तो प्रधान जी चले गए। अब सचिव की नौकरी जाएगी। विवाद बढ़ने के बाद बीपीएससी एग्जाम कंट्रोलर ने वीडियो जारी कर माफी मांग ली है।

बांके बिहारी मंदिर के चढ़ावे में 'बंदरबांट'

सुप्रीम कोर्ट नाराज, कहा- मंदिर की तिजोरी में पहुंचे एक-एक पैसा

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांके बिहारी मंदिर में चढ़ावे की कथित हेराफेरी पर सुप्रीम कोर्ट ने सख्त रुख अपनाते हुए निर्देश दिया कि दान की हर राशि दानपेटी या ऑनलाइन सीधे मंदिर की कोषागार में जमा हो। अदालत ने पारदर्शी व्यवस्था लागू करने और किसी भी रुकावट को गंभीरता से लेने को कहा। वृंदावन के श्री बांके बिहारी मंदिर में श्रद्धालुओं के

चढ़ावे की कथित हेराफेरी और धनराशि के गलत तरीके से निकाले जाने के आरोपों पर सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कड़ा रुख अपनाया। शीर्ष अदालत ने स्पष्ट निर्देश दिया कि श्रद्धालुओं की ओर से दिया गया एक-एक पैसा या तो मंदिर की दानपेटियों में पहुंचे या ऑनलाइन माध्यम से सीधे मंदिर की कोषागार में जमा हो। अदालत ने कहा कि चढ़ावे की राशि को किसी भी तरह से इधर-उधर किए जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

लिस्ट से बाहर किए गए वोटरों का क्या होगा, बंगाल पर ईसीआई से मांगा पूरा ब्योरा

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को चुनाव आयोग को पश्चिम बंगाल में एसआईआर के बाद मतदाता सूची में शामिल करने या बाहर करने को चुनौती देने वाले अपीलीय ट्रिब्यूनल के समक्ष लंबित और निपटाए गए अपीलों का डेटा प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने टिप्पणी करते हुए कहा कि इन अपीलों का एक निश्चित समय-सीमा के भीतर निपटारा किया जाना आवश्यक है।

दिल्ली-एनसीआर में लगातार दूसरे दिन भारी बारिश

गुरुग्राम में वर्कफ्रॉम-होम, उप्र में 4 की मौत, मप्र समेत 15 राज्यों में ऑरेंज अलर्ट

भोपाल/पटना/जयपुर/लखनऊ (एजेंसी)। दिल्ली-एनसीआर में मंगलवार सुबह लगातार दूसरे दिन तेज बारिश हुई है। एम्स फ्लाईओवर, कनॉट प्लेस, आईटीओ और आरके पुरम समेत कई इलाकों में 3-4 फीट तक पानी भर गया। मौसम विभाग ने रेड अलर्ट जारी किया है।

दिल्ली-गुरुग्राम को जोड़ने वाले एनएच-48 पर महिपालपुर के पास ट्रैफिक जाम लगा। दिल्ली एयरपोर्ट ने यात्रियों के लिए एडवाइजरी जारी की। सोमवार को करीब 390 फ्लाइट्स लेट हुईं, 15

डायवर्ट और 26 कैंसिल की गईं।

गुरुग्राम में कई जगह 3 फीट तक पानी भरने के बाद मंगलवार को सरकारी दफ्तरों और स्कूलों में वर्कफ्रॉम होम लागू किया गया। सोमवार को कई स्कूल बसें 3-6 घंटों तक पानी में फंसी रहीं।

यूपी के अयोध्या समेत 15 शहरों में बारिश हो रही है। वाराणसी में सोमवार रात 8 बजे से बारिश जारी है और स्कूल बंद कर दिए गए हैं। बारिश से जुड़ी घटनाओं में 4 लोगों की मौत हुई। मथुरा में सड़कें और रिहायशी इलाके जलमग्न हैं।

मप्र में हो रही तेज बारिश- मध्य प्रदेश के भोपाल समेत कई जिलों में भी तेज बारिश हुई। विदिशा के बाजार में पानी भर गया और भोपाल में ट्रैफिक प्रभावित हुआ। प्रदेश में अब तक 28.75 इंच बारिश हुई है। मौसम विभाग ने 27 अगस्त तक एमपी, यूपी, छत्तीसगढ़, ओडिशा, झारखंड, उत्तराखंड और केरल समेत 15 राज्यों में ऑरेंज अलर्ट जारी किया है।

काशी में 12 घंटे से बारिश लखीमपुर में बांध कटा

उत्तर प्रदेश के मंगलवार सुबह से वाराणसी, अयोध्या, झांसी, जौनपुर और गाजीपुर समेत 15 शहरों में बारिश हो रही है। काशी में सोमवार रात 8 बजे से रुक-रुक कर हो रही बारिश से सड़कें तालाब बन गई हैं। बीएचयू गेट पर घुटनों तक पानी भरा है।

राजस्थान- कोटा-जयपुर में बारिश भरतपुर में 4 इंच तक पानी बरसा

राजस्थान में 17 जिलों में तेज बारिश का यलो अलर्ट है। जयपुर, कोटा सहित कई जिलों में सुबह से बारिश का दौर जारी था। अलग-अलग जिलों में 4 इंच तक बरसात हुई।

त्योहारों में स्थानीय उत्पादों की खरीद को दें प्राथमिकता : मुख्यमंत्री

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को सचिवालय में सशक्त बहना उत्सव के अंतर्गत स्वयं सहायता समूहों द्वारा लगाए गए स्टालों से विभिन्न स्थानीय उत्पादों की खरीदारी की। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर प्रदेशवासियों से आगामी त्योहारों में स्थानीय उत्पादों को प्राथमिकता देने और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'वोकल फॉर लोकल' के संकल्प को आगे बढ़ाने में सहभागी बनने का आह्वान किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखण्ड की मातृशक्ति द्वारा स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से तैयार किए जा रहे उत्पाद हमारी स्थानीय संस्कृति, परंपरा और हुनर की पहचान हैं। इन उत्पादों को खरीदकर हम न केवल स्थानीय उत्पादों को प्रोत्साहित करते हैं, बल्कि उनसे जुड़ी महिलाओं की आजीविका को सशक्त बनाने और उन्हें आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने में भी योगदान देते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि त्योहारों का समय स्थानीय उत्पादों को प्रोत्साहित करने का महत्वपूर्ण अवसर है। प्रदेशवासी त्योहारों पर उपहार एवं दैनिक उपयोग की वस्तुओं की खरीद में स्थानीय उत्पादों को अधिक से अधिक प्राथमिकता दें। हमारे द्वारा स्थानीय स्तर पर तैयार किए गए उत्पाद की प्रत्येक खरीद किसी परिवार की आय बढ़ाने, किसी महिला के स्वरोजगार को मजबूती देने और राज्य की स्थानीय अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने में सहायक बनती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में 'वोकल फॉर लोकल' अभियान ने देश में स्थानीय उत्पादों के प्रति एक नया विश्वास पैदा किया है। राज्य सरकार भी महिला स्वयं सहायता समूहों, स्थानीय कारीगरों और उद्यमियों के उत्पादों को बेहतर बाजार उपलब्ध कराने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों से अपील की कि इस त्योहारी सीजन में स्थानीय उत्पाद खरीदें, दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करें और 'वोकल फॉर लोकल' को जन-अभियान बनाने में अपना योगदान दें। स्थानीय उत्पादों को अपनाने से ही आत्मनिर्भर उत्तराखण्ड और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को और अधिक मजबूती मिलेगी।

समान वेतन और शक्ति नहर पर बैरियर लगाने की मांग

विकासनगर। जन संघर्ष मोर्चा ने प्रमुख सचिव ऊर्जा आर. मीनाक्षी सुंदरम से मुलाकात की। मोर्चा ने उपनल में लगे पूर्व सैनिकों को समान कार्य समान वेतन देने की मांग उठाई। मोर्चा अध्यक्ष रघुनाथ सिंह नेगी ने इस संबंध में ज्ञापन सौंपा। उन्होंने विकासनगर की शक्ति नहर पर क्रैश बैरियर और तार जाल लगाने की भी मांग रखी। प्रमुख सचिव ऊर्जा निगमों के प्रबंध निदेशकों को तत्काल वार्ता के निर्देश दिए।

उन्होंने बताया कि उच्च न्यायालय ने उपनल कर्मियों को समान कार्य–समान वेतन देने का निर्देश दिया था। शासन ने तीन फरवरी को सभी विभागों को इसका अनुपालन करने को कहा था। हालांकि ऊर्जा विभाग के तीनों निगमों यूपीसीएल, यूजेवीएनएल और पिटकुल ने अभी तक इस आदेश का पालन नहीं किया है।

आस्था के आंगन में कचरे का लगा अंबार

उत्तरकाशी। श्रद्धालुओं की भारी आवाजाही के बावजूद यात्रा सीजन में कूड़ा उठान की ठोस व्यवस्था नहीं दिखी। नियमित निस्तारण का भी अभाव रहा। पिछले दिनों कुछ कूड़ा खच्चरों से जानकीचट्टी तक पहुंचाया गया था। यमुनोत्री धाम में पूरे यात्रा सीजन के दौरान जगह–जगह कूड़े के ढेर लगे हुए हैं। यह स्थिति धाम की स्वच्छता व्यवस्था और यात्रा से पहले किए गए कचरा प्रबंधन के दावों पर सवाल उठा रही है। यमुना नदी के किनारों और धाम के आसपास खुले में बिखरा कूड़ा साफ दिखाई दे रहा है।

श्रद्धालुओं की भारी आवाजाही के बावजूद यात्रा सीजन में कूड़ा उठान की ठोस व्यवस्था नहीं दिखी। नियमित निस्तारण का भी अभाव रहा। पिछले दिनों कुछ कूड़ा खच्चरों से जानकीचट्टी तक पहुंचाया गया था।

एक नजर

न्याय की गुहार को लेकर केतन लाल के परिजनों का धरना जारी

नई टिहरी। केतन लाल के परिजन और ग्रामीणों का पांच सूत्री मांगों को लेकर अनिश्चितकालीन धरना दूसरे दिन भी कलेक्ट्रेट परिसर में जारी है। धरने पर बैठे लोगों ने कहा कि जब पीड़ित परिवार को न्याय नहीं मिल जाता तब तक धरना जारी रहेगा।

प्रतापनगर के देवल गांव के स्व केतन लाल के परिजनों को न्याय दिलाने की मांग को लेकर धरने पर बैठे भीम आर्मी युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप बर्मन ने कहा कि पीड़ित केतन का परिवार लंबे समय से न्याय की गुहार लगा रहा हैं लेकिन शासन–प्रशासन उनके परिवार को न्याय नहीं दे पा रहा है। उन्होंने शासन–प्रशासन से पीड़ित परिवार को तत्काल एक करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता देने की मांग उठाई है। पीड़ित परिवार का विस्थापन सुरक्षित जगह करने, परिवार के एक व्यक्ति को सरकारी नौकरी देने।

हत्याकांड में शामिल अन्य लोगों की गिरफ्तारी करने। मामले की फास्ट ट्रैक कोर्ट में त्वरित सुनवाई करने की मांग की। कहा कि धरने पर उनके साथ अधिकांश ग्रामीण महिलाएं बैठी है। गत रात्रि भारी बारिश होने से धरना स्थल पर बारिश का पानी आने से उनके रजाई–गद्दे व अन्य सामान पूरी तरह से भीग गया था। इस मौके पर भीम आर्मी के जिलाध्यक्ष सुरेंद्र सिंह, पंकज कुलवंशी, धनपाल लाल, राकेश सिंह, गौरव, सूरज, बुद्धिलाल, प्रेम लाल, दर्शनी देवी, बिजेंद्र देवी आदि मौजूद थे।

रिश्वत के आरोपों के बाद रिकॉर्ड रूम के दोनों कर्मचारी बदले

गोपेश्वर। कलेक्ट्रेट परिसर स्थित राजस्व विभाग के रिकॉर्ड रूम में पुरानी खतौनी की नकल देने के एवज में रिश्वत मांगने के आरोपों के बाद जिलाधिकारी गौरव कुमार ने वहां तैनात दोनों कर्मचारियों को बदल दिया गया है। इनमें से एक कर्मचारी को आंग्ल लेखाकार जबकि दूसरे को प्रपत्र प्रेषण लिपिक का कार्य सौंपा गया है। साथ ही रिकॉर्ड रूम में नया सीसीटीवी कैमरा भी स्थापित किया गया है।

बीते दिनों पगना गांव निवासी ताजवर सिंह ने रिकॉर्ड रूम में तैनात दो कार्मिकों पर पुरानी खतौनी की नकल उपलब्ध कराने के एवज में 500 रुपये रिश्वत मांगने का आरोप लगाया था। उन्होंने मामले की जांच के साथ ही रिकॉर्ड रूम में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की जांच कराने की मांग की थी। मामले को गंभीरता से लेते हुए जिलाधिकारी ने अपर जिलाधिकारी विवेक प्रकाश की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय जांच समिति गठित की है। एडीएम विवेक प्रकाश ने बताया कि प्रकरण की जांच की जा रही है। जांच के बाद तथ्यों के आधार पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

ऑल सेंट कान्वेंट का स्वर्ण जयंती वर्ष शुरू

नई टिहरी। ऑल सेंट कान्वेंट स्कूल नई टिहरी का स्वर्ण जयंती वर्ष का शुभारंभ हुआ। मुख्य अतिथि फादर जोसेफ चिट्टुपरमविल ने शुभकामना शिलापट्ट का अनावरण कर रिबन काटा। विद्यालय के प्रबंधक फादर जोश टीजे ने बताया कि विद्यालय की स्थापना 26 अगस्त 1977 को पुरानी टिहरी के रानीबाग में हुई थी।स्थापना के बाद से विद्यालय छात्र–छात्राओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने के लिए निरंतर कार्य कर रहा है। विद्यालय से शिक्षा प्राप्त कर चुके कई विद्यार्थी विभिन्न देश–विदेश के क्षेत्रों में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभाते हुए हुए प्रदेश और देश के विकास में योगदान दे रहे हैं। फादर जोसेफ चिट्टुपरमविल ने विद्यालय के 50 वर्ष के सफर को शानदार बताते हुए प्रबंधन, शिक्षक–शिक्षिकाओं, कर्मचारियों, छात्र–छात्राओं और अभिभावकों को शुभकामनाएं दी।

आदर्श संस्कृत ग्राम बेंजी से संस्कृत सप्ताह का शुभारंभ

रुद्रप्रयाग। उत्तराखंड की द्वितीय राजभाषा संस्कृत के प्रचार–प्रसार और संवर्धन के लिए आदर्श संस्कृत ग्राम बेंजी में मंगलवार को संस्कृत सप्ताह का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत संस्कृत शोभायात्रा से हुई। इस दौरान संस्कृत उद्घोषों से गांव का वातावरण संस्कृतमय हो गया। शोभायात्रा के बाद ब्रह्मलीन शंकराचार्य स्वामी माधवाश्रम की स्मृति में बने संग्रहालय परिसर में वैदिक मंत्रोच्चार के साथ कार्यक्रम हुआ। ग्रामीणों और विद्यालयी छात्रों ने संस्कृत में प्रस्तुतियां दीं।

मुख्य अतिथि जिला पंचायत सदस्य गंभीर सिंह बिष्ट ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया। विशिष्ट अतिथि संस्कृताचार्य उमेश भट्ट रहे। अध्यक्षता अयोध्या प्रसाद बेंजवाल ने की। ग्रामीणों और विद्यालयी छात्रों ने संस्कृत में प्रस्तुतियां दीं।

रक्षाबंधन के बीच भाजपा महिला नेत्री की पोस्ट पर काउंटर को लेकर उठे सवाल

विकासनगर। रक्षाबंधन के कार्यक्रमों के बीच भाजपा की महिला नेत्री रचिता ठाकुर ने सोशल मीडिया पर उनकी पोस्ट को नाम लेकर काउंटर किए जाने पर नाराजगी जताई है। उन्होंने कहा कि एक महिला जो निस्वार्थ भाव से अपने क्षेत्र और पार्टी के लिए काम कर रही है, उसकी पोस्ट पर इस तरह सार्वजनिक रूप से जवाब देना संबंधित लोगों की मानसिकता को दर्शाता है।

रचिता ठाकुर ने अपने वीडियो बयान में कहा कि उन्होंने सुबह सोशल मीडिया पर अपनी भावनाएं व्यक्त करते हुए एक पोस्ट डाली थी। इसके बाद उनकी पोस्ट को नाम लेकर काउंटर किया गया। उन्होंने कहा कि वह किसी व्यक्ति पर व्यक्तिगत हमला नहीं करतीं, लेकिन जब वह अपने मन की बात लिखती हैं तो उनकी पोस्ट पर जवाब देकर उन्हें ही निशाना बनाया जाता है।

उन्होंने कहा कि सवाल सिर्फ उनका नहीं, बल्कि उन सभी महिलाओं का है जो अपने दम पर राजनीति और सामाजिक कार्यों में सक्रिय हैं। उन्होंने कहा कि विकासनगर क्षेत्र की महिलाओं और पार्टी में मेहनत

करने वाली महिला कार्यकर्ताओं को आखिर किस नजर से देखा जा रहा है, यह सोचने की जरूरत है।

रचिता ठाकुर ने कहा कि रक्षाबंधन जैसे पर्व पर एक तरफ मातृशक्ति के सम्मान की बातें और कार्यक्रम किए जा रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ एक महिला की सार्वजनिक पोस्ट को नाम लेकर काउंटर किया जा रहा है। उन्होंने लोगों से अपील की कि उनकी सुबह की पोस्ट और उसके जवाब को स्वयं देखें और तय करें कि इस पूरे मामले में महिलाओं के प्रति कैसी मानसिकता दिखाई दे रही है।

उन्होंने कहा कि वह अपने परिवार, समाज और अपने दम पर कार्य कर रही हैं तथा उन्हें किसी के रहमोकरम की आवश्यकता नहीं है। पार्टी की कार्यकर्ता होने के नाते वह लगातार संगठन के कार्यक्रमों और जिम्मेदारियों में सक्रिय रहती हैं। उन्होंने कहा कि इस तरह की घटनाएं निश्चित रूप से महिला कार्यकर्ताओं को आहत करती हैं।

रचिता ठाकुर ने कहा कि वह किसी से विवाद नहीं चाहतीं, लेकिन अपने मान–सम्मान के साथ समझौता भी नहीं करेंगी। उन्होंने समाज और पार्टी के लोगों से पूरे मामले को देखकर स्वयं निर्णय लेने की बात कही है।

गैरसैंण : छजगाड़ गांव में 17 मकानों में आईं दरारें

गैरसैंण। तहसील मुख्यालय से सात किमी दूर स्थित छजगाड़ गांव में विगत माह क्षेत्र में आपदा आई थी। अब लगातार हो रही बारिश के कारण छजगाड़ में लगातार भू–धंसाव का दायरा बढ़ रहा है और 17 मकानों में दरारें आ गई हैं जबकि 60 से अधिक परिवार खतरे की जद में हैं। एसडीएम अबरार अहमद ने भू–धंसाव से प्रभावित छजगाड़ गांव का निरीक्षण किया। क्षेपंस आरती देवी एवं सुरेंद्र सौरियाल सहित अन्य ग्रामीणों ने बताया कि 17 मकानों में दरारें आई हैं जबकि 60 से अधिक परिवार खतरे की जद में हैं। उन्होंने शासन–प्रशासन से राहत, बचाव और पुनर्वास की गुहार लगाई है। ग्रामीणों ने बताया कि विधायक अनिल नौटियाल के माध्यम से कैबिनेट मंत्री को भी पत्र सौंपा गया है। ग्रामीणों की शिकायत पर एसडीएम के साथ ब्लॉक प्रमुख दुर्गा देवी रावत, तहसीलदार हरीशचंद्र पांडे और अन्य अधिकारियों ने गांव पहुंचकर निरीक्षण किया। एसडीएम अबरार अहमद ने कहा कि भूवैज्ञानिकों की रिपोर्ट के आधार पर ही विस्थापन की कार्रवाई आगे बढ़ सकेगी। उन्होंने कहा कि मकानों के आगे, पीछे व किसी के साइड में तो कहीं रास्तों पर भू धंसाव हुआ है। तीन परिवार पास के अन्य ग्रामीणों के घर में रह रहे हैं और एक परिवार को तिरपाल दी गई है। एसडीएम ने ग्रामीणों को सजग रहने के लिए कहा।

नाबालिग से दुष्कर्म के दोषी को 20 साल की सजा

गोपेश्वर। नाबालिग से दुष्कर्म और धमकी देने के मामले में विशेष सत्र न्यायाधीश बिंध्याचल सिंह की अदालत ने जयगणेश रावल को दोषी करार देते हुए 20 वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई। अदालत ने आरोपी पर 20 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया। वहीं धमकी देने के अपराध में एक वर्ष के कठोर कारावास की सजा और 500 रुपये का अर्थदंड भी लगाया। दोनों सजाएं साथ–साथ चलेंगी। मामला ज्योतिर्मठ थाने में दर्ज प्राथमिकी से संबंधित है। अभियोजन के अनुसार मई 2024 में आरोपी ने नाबालिग के साथ दुष्कर्म किया और उसे किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी दी। मामले में 25 फरवरी 2025 को प्राथमिकी दर्ज की गई थी। अदालत ने अभियोजन की ओर से पेश साक्ष्यों का परीक्षण करने के बाद आरोपी को पॉक्सो

अधिनियम के तहत दोषी माना। अदालत ने अर्थदंड में से 20 हजार रुपये पीड़िता को प्रतिकर के रूप में देने के आदेश दिए। इसके अलावा पॉक्सो और उत्तराखंड पीड़ित सहायता योजना के तहत राज्य सरकार को पीड़िता को तीन लाख रुपये प्रतिकर 30 दिन में उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। फैसले के बाद आरोपी को जिला कारागार पुरसाड़ी भेजने के आदेश दिए गए।

कालसी में मतदाता सूची पुनरीक्षण के लिए हुई बैठक

कालसी। तहसील मुख्यालय में मंगलवार को मतदाता सूची पुनरीक्षण के लिए बैठक हुई। बैठक में एसडीएम कालसी प्रेमलाल ने मतदान के अधिकार को लोकतंत्र का सबसे बड़ा अधिकार बताया। उन्होंने कहा कि किसी भी मतदाता को उचित कारण के बिना मताधिकार से वंचित नहीं किया जाना चाहिए।

बैठक में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि और बूथ स्तरीय एजेंट शामिल हुए। प्रतिनिधियों ने पुनरीक्षण के दौरान आ रही व्यावहारिक समस्याओं को रखा। उन्होंने मांग की कि कर्मियों को निर्देशित किया जाए कि अनावश्यक रूप से किसी मतदाता को सूची से बाहर न किया जाए। एसडीएम ने अधिकारियों और कर्मियों को पारदर्शिता के साथ समस्याओं का निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस दौरान रजिस्ट्रार कानूनगो तिलकराम जोशी, भाजपा प्रतिनिधि नरेश चौहान, कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष सुनील शर्मा, उमादत्त जोशी और श्याम दत्त वर्मा उपस्थित रहे।

कांग्रेस नेता हरक सिंह बोले—चुनाव लड़ने व विधायक बनने की मोहमाया नहीं

देहरादून। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं चुनाव प्रबंधन समिति के अध्यक्ष डॉ.हरक सिंह रावत ने कहा कि विधानसभा चुनाव लड़ने और विधायक बनने की उन्हें कोई मोहमाया नहीं है। उनकी एक ही इच्छा है कि प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बने।

हरक सिंह रावत ने सोशल मीडिया जारी बयान में कहा, जो दावेदार चुनाव जीतने की स्थिति में नहीं है, उसे टिकट का मौका नहीं मिलेगा। यदि हरक सिंह भी चुनाव जीतने की स्थिति में नहीं है तो पार्टी को मुझे भी टिकट नहीं देना चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि चुनाव लड़ना व विधायक बनाना मेरा मकसद नहीं है, सिर्फ एक ही मोहमाया है कि कांग्रेस की सरकार बने।

हरक ने कहा, सहसपुर सीट पर पार्टी को लगेगा कि हरक सिंह के अलावा भी कोई अन्य व्यक्ति जीतने की क्षमता रखता है तो उसे टिकट मिले। आगामी चुनाव के लिए हर विधानसभा में पांच से 10 दावेदार हैं। वर्तमान में हमारे 20 विधायक हैं। 50 सीटों पर कांग्रेस नहीं है। उन्होंने चुनाव जीत की थ्योरी भी साझा की। कहा, चुनाव में 25 प्रतिशत पार्टी की हवा होती है। जबकि 25 प्रतिशत चुनाव लड़ने वाले प्रत्याशी का व्यक्तित्व व 25 प्रतिशत सामाजिक तानाबाना व जातीय समीकरण व 25 प्रतिशत आर्थिक क्षमता निर्भर करती है।

उत्तराखंड की बेटी अनुभा वशिष्ठ ने जीता रनर-अप का खिताब

देहरादून। उत्तराखंड की बेटी अनुभा वशिष्ठ ने मिस यूनिवर्स इंडिया 2026 के ग्रैंड फिनाले में रनर–अप का खिताब हासिल कर प्रदेश का नाम रोशन किया। 51 प्रतिभागियों के बीच लगभग 40 दिनों तक चली इस प्रतिष्ठित सौंदर्य प्रतियोगिता में अनुभा ने अपने आत्मविश्वास, व्यक्तित्व, संवाद कौशल और शानदार मंचीय प्रस्तुति से अपनी अलग पहचान बनाई। मिस यूनिवर्स इंडिया 2026 का ग्रैंड फिनाले 23 अगस्त 2026 को जयपुर स्थित ज़ी स्टूडियो में आयोजित किया गया। देश के अलग–अलग हिस्सों से आई 51 प्रतिभाशाली प्रतिभागियों ने इस सफर में हिस्सा लिया, जिसमें प्रतिभागियों को विभिन्न चरणों और चुनौतियों से गुजरना पड़ा। पूरी प्रतियोगिता के सफ़र के दौरान अनुभा ने न केवल अपनी खूबसूरती और स्टेज प्रेजेंस का ही नहीं बल्कि अपनी सोच, आत्मविश्वास और व्यक्तित्व का भी प्रभाव छोड़ा। उत्तराखंड का प्रतिनिधित्व करते हुए उन्होंने अपनी जड़ों और पहाड़ की पहचान को पूरे गर्व के साथ राष्ट्रीय मंच पर प्रस्तुत किया। अनुभा वशिष्ठ के

लिए यह उपलब्धि उनके पेजेंट करियर में एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। 40 दिनों के इस सफर ने उन्हें अनुशासन, धैर्य और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने का अवसर दिया। अपनी उपलब्धि पर अनुभा ने कहा कि उत्तराखंड का प्रतिनिधित्व करते हुए मिस यूनिवर्स इंडिया 2026 में रनर–अप बनना मेरे लिए बेहद गर्व और भावुकता का क्षण है।

40 दिनों का यह सफ़र मेरे लिए सिर्फ़ एक

प्रतियोगिता नहीं, बल्कि खुद को और बेहतर तरीके से जानने और अपनी क्षमताओं को पहचानने की यात्रा रही। मैं उन सभी लोगों की दिल से आभारी हूं, जिन्होंने इस सफर में मेरा साथ दिया और मुझ पर विश्वास रखा।

अपने पिता जताया आभार

अनुभा वशिष्ठ ने अपने पिता के प्रति मैं विशेष कृतज्ञता व्यक्त की। कहा कि जिन्होंने समाज की संकीर्ण मानसिकताओं की परवाह किए बिना मुझे हमेशा अपने सपनों को साकार करने के लिए प्रेरित किया। जीत के दबाव से इतर उन्होंने मुझे बस अपना शत प्रतिशत देने के लिए प्रेरित किया। उनके लिए तो मैं मिस यूनिवर्स बचपन से ही हूं क्योंकि मैं उनकी प्यारी बेटी हूं। मैं भी ऐसा ही मानकर प्रतियोगिता में उतरी थी क्योंकि मैं दुनिया के सबसे सुंदर पिता की बेटी हूं।

मिठाई फैक्टरी का ऐसा हाल : जंग लगे गंदे कनस्तरों में मिले रसगुल्ले

देहरादून। उर्स के दौरान हुई कार्रवाई के बाद से कलियर और आसपास की निर्माण इकाईयों में भी हड़कंप मचा हुआ है। मौके पर फ्रिज से करीब 50 किलो संदिग्ध पनीर मिला है।

खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने मंगलवार को सोहलपुर, कलियर के पास स्थित वाजिद स्वीट्स की मिठाई फैक्टरी पर छापा मारकर बड़ी अनियमितताएं पकड़ी। जंग लगे और गंदे टीन के कनस्तरों में करीब 1.60 कुंतल सफेद रसगुल्ले, 15 किलो गुलाबी रंग वाले रसगुल्ले और करीब 40 किलो मिल्क केक बिन्नी के लिए रखा मिला।

कई कनस्तरों में मरी हुई मधुमक्खियां और मक्खियां भी पाई गई। मौके से 25 किलो स्टार्च पाउडर भी मिला। उर्स के दौरान हुई कार्रवाई के बाद से कलियर और आसपास की निर्माण इकाईयों में भी हड़कंप मचा हुआ है। मौके पर फ्रिज से करीब 50 किलो संदिग्ध पनीर मिला है।

खाद्य सुरक्षा आयुक्त विनय शंकर पांडेय और जिलाधिकारी मयूर दीक्षित के निर्देश पर जिले में पनीर, मिठाई निर्माण इकाइयों, दुकानों और डेयरियों का निरीक्षण किया जा रहा है। मंगलवार को उपायुक्त खाद्य सुरक्षा गढ़वाल मंडल आरएस रावत के नेतृत्व में सहायक आयुक्त महिमानंद जोशी और वरिष्ठ खाद्य सुरक्षा अधिकारी दिलीप जैन ने गुप्त सूचना के आधार पर वाजिद स्वीट्स का निरीक्षण किया।

बदरीनाथ की सीमा से बाहर किए जाएं सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट

बदरीनाथ। बदरीश संयुक्त संघर्ष समिति ने बदरीनाथ धाम में बामणी गांव, अलकनंदा व ऋषिगंगा नदी के संगम पर बने सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट को हटाकर धाम की सीमा से बाहर बनाने की मांग की है। साथ ही धाम में भवनों की उंचाई के मानकों को अन्य नगरों की भांति करने की मांग रखी है।

मंगलवार को बदरीनाथ धाम में चल रहे मास्टर प्लान के कार्यों से उत्पन्न समस्याओं को लेकर बदरीश संयुक्त संघर्ष समिति की बैठक हुई। इसमें धाम में बने सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांटों को हटाने की मांग पुरजोर तरीके से उठाई गई। समिति के सदस्यों ने कहा कि बदरीनाथ धाम जैसे स्थान पर सीवर ट्रीटमेंट प्लांट संगम पर बना है। इससे स्थानीय लोगों व श्रद्धालुओं की भावनाएं आहत हो रही हैं। इसलिए इन प्लांटों को धाम की सीमा से बाहर बनाया जाए। उन्होंने कहा कि बदरीनाथ में सरकारी भवनों की उंचाई 9.5 मीटर और निजी भवनों की उंचाई में 6.5 मीटर के मानक तय किए गए हैं जबकि बदरीनाथ को छोड़कर अन्य नगरों में यह मानक 15 मीटर का है। धाम में भी भवनों को 15 मीटर तक बनाने की अनुमति दी जाए।

व्यापारियों ने बंद रखे प्रतिष्ठान, निकाली आक्रोश रैली

स्टेशन रोड से अतिक्रमण हटाने का किया विरोध , कहा कि दुकान हटने से पहले अन्यत्र स्थान पर हो विस्थापन

मंगलवार को शहर में आक्रोश रैली निकालते व्यापारी

मंगलवार को कोटद्वार में बंद पड़ी दुकानें

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : रेलवे स्टेशन के बाहर वर्षों से संचालित खोखों को हटाने के विरोध में मंगलवार को नगर के व्यापारियों ने बाजार बंद रखकर विरोध जताया। नगर उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमंडल के आह्वान पर व्यापारी धरना स्थल पर एकत्र हुए और इसके बाद आक्रोश रैली निकालते हुए तहसील पहुंचे। यहां व्यापारियों ने प्रदर्शन कर तहसीलदार राजेंद्र प्रसाद सनवाल के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा। ज्ञापन में वैकल्पिक व्यवस्था किए बिना खोखा संचालकों को न हटाने की मांग की गई।

पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत सुबह से ही बड़ी संख्या में व्यापारी अपने प्रतिष्ठान बंद कर धरना स्थल पर पहुंचने लगे। नगर उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमंडल के अध्यक्ष प्रवीण भाटिया के नेतृत्व में व्यापारियों ने मुख्य मार्गों से रैली निकाली। तहसील परिसर पहुंचने के बाद रैली सभा में परिवर्तित हो गई। सभा में व्यापारियों ने कहा कि रेलवे स्टेशन के बाहर कई दशकों से छोटे कारोबारी खोखे लगाकर अपने परिवार का भरण-पोषण कर रहे हैं। लोक निर्माण विभाग की ओर से खोखे हटाने के लिए नोटिस जारी किए जाने के बाद संचालकों में असंतोष है। व्यापारियों का कहना है कि खोखा संचालक लंबे समय से नगर पालिका एवं नगर निगम को तहबाजारी शुल्क का भुगतान करते आ रहे हैं। व्यापारियों ने दावा किया कि इनमें बड़ी संख्या ऐसे परिवारों भी है, जो विभाजन के बाद यहां आकर बसे और वर्षों से इसी कारोबार के माध्यम से परिवार चला रहे हैं। उनका कहना था कि अचानक खोखे हटाए जाने से इन परिवारों के सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो जाएगा। इसलिए किसी भी कार्रवाई से पहले उनके पुनर्वास अथवा वैकल्पिक व्यापारिक स्थान की व्यवस्था की जानी चाहिए। व्यापार प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि इस मुद्दे को लेकर गढ़वाल सांसद अनिल बलूनी, विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूड़ी और मेयर शैलेंद्र रावत से भी वार्ता की जा चुकी है। व्यापारियों के अनुसार, ठोस समाधान नहीं निकलने के कारण उन्हें आंदोलन का रास्ता अपनाना पड़ा। उन्होंने चेतावनी दी कि स्थायी समाधान होने तक खोखे हटाने की कार्रवाई नहीं की जानी चाहिए। प्रदर्शन में जिलाध्यक्ष विवेक अग्रवाल, महामंत्री लाजपत राय भाटिया, नगर महामंत्री नवीन गोयल, राकेश अग्रवाल, विनय भाटिया, पंकज भाटिया, सरदार महेंद्र सिंह, अनिल भोला, विजय माहेश्वरी, सेवक राम मानूजा, हिमांशु भाटिया, रेशमा छावड़ा, प्रीति साहनी, रेनू, शैली, मेघा, सुषमा, मीरा, बेला, मधु और शशिबाला सहित बड़ी संख्या में व्यापारी मौजूद रहे।

दुगड्डा में रामलीला मंचन की तैयारियां शुरू

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : आगामी रामलीला मंचन को लेकर दुगड्डा में रामलीला कमेटी की बैठक आयोजित की गई। बैठक में रामलीला के सफल आयोजन को लेकर चर्चा के बाद नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। सर्वसम्मति से प्रदीप बडोला को कमेटी का अध्यक्ष और नितेश ठाकुर को महासचिव चुना गया। नई कार्यकारिणी में तरुण जोशी को उपाध्यक्ष, राहुल जैन को कोषाध्यक्ष तथा संजीव कोटनाला और संजीव कपूर को निर्देशक की जिम्मेदारी सौंपी गई। पदाधिकारियों ने रामलीला मंचन को भव्य एवं व्यवस्थित ढंग से आयोजित करने का संकल्प लिया। बैठक में निर्णय लिया गया कि रामलीला मंचन के लिए कलाकारों का पूर्वाभ्यास 12 सितंबर से शुरू किया जाएगा। इसके बाद दुगड्डा में रामलीला का मंचन आठ अक्टूबर से 21 अक्टूबर तक किया जाएगा। कमेटी पदाधिकारियों ने कहा कि रामलीला क्षेत्र की धार्मिक एवं सांस्कृतिक परंपरा का महत्वपूर्ण हिस्सा है। आयोजन को सफल बनाने के लिए तैयारियां समय से पूरी की जाएंगी और स्थानीय कलाकारों को मंच उपलब्ध कराने के साथ ही दर्शकों के लिए बेहतर व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएंगी।

स्वास्थ्य उपकेंद्रों के 391 फार्मासिस्टों के पद बहाल करने की मांग

उत्तरकाशी। डिप्लोमा फार्मासिस्ट एसोसिएशन से जुड़े फार्मासिस्टों ने पर्वतीय और दुर्गम क्षेत्रों की ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े 391 फार्मेसी अधिकारी पदों को बहाल करने की मांग की है। उन्होंने मांग पर कार्रवाई न होने पर आंदोलन की चेतावनी दी है। संगठन का कहना है कि वर्ष 2005–06 में राज्य के 536 स्वास्थ्य उपकेंद्रों में फार्मेसी अधिकारियों के पद सृजित कर नियुक्तियां की गई थी जिससे दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों की जनता को प्राथमिक उपचार की सुविधा मिली।
आरोप है कि दिसंबर 2021 में फार्मासिस्ट संवर्ग के पुनर्गठन के दौरान इन 536 पदों में से 119 पद मेडिकल कॉलेजों को आवंटित कर दिए गए ।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे आधार कार्ड में मेरे पिता का नाम अंकित नहीं है, जबकि वाहन संख्या UK15C 3454 की आर0सी0 में मेरे पिताजी का नाम भवान सिंह अंकित है। आर0सी0 एवं आधार कार्ड में अंकित नाम सुरेन्द्र सिंह एक ही व्यक्ति याने मेरे ही नाम है। आधार कार्ड एवं आर0सी0 में अंकित नाम सुरेन्द्र सिंह एक ही व्यक्ति के नाम पढ़ा, लिखा एवं समझा जाय।

सुरेन्द्र सिंह पुत्र श्री भवान सिंह
निवासी ग्राम गजरीजाल, पोस्ट ऑफिस धामदार, तहसील लैन्सडाउन, जिला पौड़ी गढ़वाल, उत्तराखण्ड।
(0597/21)

अदालती सूचना

न्यायालय श्रीमान अपर जिला जज महोदय कोटद्वार गढ़वाल
उत्तराधिकार / प्रकीर्ण दीवानी वाद संख्या-32 (Misc Case) सन् 2026
प्रार्थी - दीपक रावत
बनाम्
विपक्षीगण - 1. नईम अहमद
2. आम व खास
''समन बनाम् - आम व खास''

हरगाह आपको इस समन के माध्यम से सूचित किया है कि प्रार्थी ने मेरे न्यायालय में उत्तराधिकार प्रमाण पत्र हेतु प्रार्थनापत्र प्रस्तुत किया है जिसमें सुनवाई हेतु तिथि- 22.09.2026 नियत है।

अतः आप आम व खास को, दैनिक समाचार पत्र में, इस समन से सूचित किया जाता है कि आप उक्त तिथि को ठीक 10.00 बजे पूर्वाहन मेरे पौड़ी स्थित न्यायालय में वकालतन/असालतन उपस्थित होवे ऐसा करने में चूक न हो अन्यथा मामले में एकपक्षीय कार्रवाई की जाएगी।

आज दिनांक 25/08/2026 को मेरे न्यायालय की मुद्रा एवं हस्ताक्षर से जारी किया गया है।

आदेशानुसार
अपर जिला जज
पौड़ी गढ़वाल

सैनिक भाइयों को बांधा रक्षा सूत्र, महिला मोर्चा ने मनाया रक्षाबंधन

सैनिकों के साथ रक्षाबंधन मनाती भाजपा महिला मोर्चा कार्यकर्ता व पदाधिकारी

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा, कोटद्वार ने भारतीय सेना के एमटी कैंप में सैनिक भाईयों के साथ रक्षाबंध मनाया। इस दौरान कार्यकर्ता व पदाधिकारियों ने सैनिकों की कलाई पर रक्षासूत्र बांधा। साथ ही देश की सेवा में दिए जा रहे सेना के योगदान को भी याद किया।

महिला मोर्चा ने सैनिकों को तिलक लगाकर उनकी कलाई पर रक्षासूत्र बांधा कहा कि देश की रक्षा में दिन-रात जुटे जवानों के प्रति समाज की कृतज्ञता व्यक्त करने का यह अवसर महत्वपूर्ण है। महिला मोर्चा की प्रदेश मंत्री अनीता आर्य ने कहा कि भारतीय सेना के जवान अपने घर-परिवार से दूर रहकर कठिन परिस्थितियों में राष्ट्र सेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हैं। उनके शौर्य और त्याग के कारण ही देशवासी सुरक्षित वातावरण में जीवन जी पा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सैनिक भाइयों को रक्षा सूत्र बांधना मातृशक्ति की ओर से सेना के प्रति सम्मान और कृतज्ञता की आत्मीय अभिव्यक्ति है।

देश की मातृशक्ति सदैव भारतीय सेना के वीर जवानों के साथ खड़ी है। महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष शशि बाला केष्टवाल ने कहा कि रक्षाबंधन भाई-बहन के स्नेह, विश्वास और सुरक्षा के संकल्प का पर्व है। सैनिकों के साथ यह पर्व मनाकर महिला मोर्चा कार्यकर्ताओं ने देश की सुरक्षा के लिए समर्पित जवानों के प्रति सम्मान और अपनत्व व्यक्त किया। उन्होंने जवानों के स्वस्थ, सुरक्षित और उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

इस अवसर पर जिला महामंत्री यशोदा नेगी, जिला उपाध्यक्ष सुधा नेगी, जिला मंत्री आराधना द्विवेदी, उर्मिला कंडारी, संतोष रावत, आशा ध्यानी, बबीता ग्वाड़ी, निशा जुयाल, हिमानी बलूनी, सुनीता कैंथोला और ज्योति जखमोला सहित महिला मोर्चा की अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहीं।

चीनी की कालाबाजारी रोकने को किया निरीक्षण

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : चीनी के दामों में हुई बढ़ोत्तरी के मद्देनजर सोमवार को प्रशासन एवं पूर्ति विभाग की टीम ने चीनी गोदामों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान व्यापारियों को जमाखोरी नहीं करने की सख्ती चेतावनी दी गई। खाद्य अधिकारी एवं पूर्ति निरीक्षक संजना बिष्ट के नेतृत्व में टीम ने गोदामों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने गोदामों में चीनी के भंडारण एवं उपलब्ध स्टाक की जानकारी ली। साथ ही व्यापारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। अधिकारियों ने स्थानीय व्यापारियों व गोदाम स्वामियों से अपील की कि वे चीनी की कालाबाजारी या अनियमित भंडारण न करें और निर्धारित नियमों का पालन करते हुए ही चीनी की बिक्री करें। अधिकारियों ने कहा कि यदि कोई व्यापारी चीनी की कालाबाजारी करता है या अनियमित तरीके से इसका भंडारण एवं बिक्री करता पाया जाता है तो इसकी सूचना तत्काल प्रशासन अथवा पूर्ति निरीक्षक को दें। प्रशासन की ओर से स्पष्ट किया गया कि आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता एवं बाजार में उचित मूल्य व्यवस्था बनाए रखने के लिए इस प्रकार के निरीक्षण आगे भी जारी रहेंगे।

कार्यालय खण्ड विकास अधिकारी, विकासखण्ड कोट, पौड़ी गढ़वाल।

पत्रांक 473 लेखा-1/निवि0सू0/जि0यो0 / डे0एनआरएलएम/2026-27 दिनाक 25.08.2026

अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना

एतद्द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि विकास खण्ड कोट, पौडी गढ़वाल में जिला योजना व डे0-एन0आर0एल0एम योजनाओं के अर्न्तगत निम्नलिखित कार्यों हेतु सरकारी/अर्धसरकारी विभागों में पंजीकृत अनुभवी फर्मों को दिनांक 09.09.2026 दिन (बुधवार) की सायं 03:00 बजे तक मुहरबन्द लिफाफे में निविदाये आमंत्रित की जाती है जो कि उसी दिन विकास खण्ड कार्यालय कोट में उपस्थित निविदादाताओं व उनके प्रतिनिधियों के सम्मुख सायं 3.30 बजे चयनित गठित समिति के द्वारा खाली जायेगी। निविदा प्रपत्र किसी भी कार्य दिवस में दिनांक 08.09.2026 साथ 5.00 बजे तक विक्रय की जायेगी।

क्र0 सं0	कार्य का नाम/स्थल का पूर्ण विवरण सहित	निविदा धरोहर राशि	निविदा मूल्य (18 प्रति0 जी0एस0टी0 सहित)	कार्य पूर्ण किये जाने की अवधि	निविदा की वैधता
1	2	3	4	5	6
1	आवासीय भवन टाइप-2 आवासों का मरम्मत कार्य	30000.00	1000.00	06 माह	06 माह
2	अनावासीय भवन गेस्ट हाउस में टिन शेड एवं टाईल्स कार्य	30000.00	1000.00	06 माह	06 माह
3	विकासखण्ड कोट के परिसर में विकासखण्ड स्तरीय आउटलेट्स की की स्थापना का कार्य।	15000.00	500.00	06 माह	06 माह

नियम एवं शर्ते–

1- निविदा प्रस्तुत करते समय ठेकेदार को पंजीकरण प्रमाण-पत्र एवं धरोहर धनराशि (राष्ट्रीयकृत बैंक की एफ0डी0आर0/ डाकघर की पासबुक / किसान विकास पत्र / राष्ट्रीय बचत पत्र / 100 रू0 का स्टाप पेपर, सहित जोकि अधोहस्ताक्षरी के नाम बंधक होगी, संलग्न करना आवश्यक होगा।

2– निर्धारित अवधि के उपरान्त कोई निविदा प्राप्त नहीं की जायेगी।

3– समस्त कार्य निर्धारित मानको एवं कनिष्ठ अभियन्ता के निर्देशानुसार समयान्तर्गत पूर्ण करने होगें।

4– लिफाफे पर कार्य का नाम लिखना अनिवार्य होगा।

5– निविदा प्रपत्र के साथ 100.00 रु0 का उत्तराखण्ड राज्य से निर्गत नॉन- ज्यूडिशियल स्टाम्प पेपर, रू0 1.00 के रसीदी टिकट के साथ हस्ताक्षरयुक्त होना अनिवार्य है।

6– आधोहस्ताक्षरी को किसी भी निविदा को स्वीकृत / अस्वीकृत अथवा निरस्त किये जानें का पूरा अधिकार होगा।

7– शेष शर्ते निविदा प्रपत्र अनुसार के होगी।

खण्ड विकास अधिकारी
विकासखण्ड कोट गढ़वाल।

(0398/21)

सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए जागरूकता जरूरी

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : विकासखंड एकेश्वर के जनता इंटर कालेज कमलपुर में सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में ग्रामीणों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक किया गया। कहा कि दुर्घटनाओं को रोकने के लिए हमें नियमों का सख्ती से पालन करना चाहिए।

प्रधानाचार्य संजय सिंह रावत की अध्यक्षता में आयोजित कार्यशाला में प्रधानाचार्य ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए समाज का जागरूक होना अति आवश्यक है। हल्की लापरवाही भी जिंदगी पर भारी पड़ सकती है। ऐसे में हमें अधिक से अधिक लोगों को सड़क सुरक्षा की जानकारी देनी चाहिए। इस दौरान शिक्षकों व बच्चों ने दोपहिया वाहन चलाते समय बीआईएस स्वीकृत हेलमेट पहनने, पीछे बैठने वाली सवारी को भी हेलमेट के लिए प्रेरित करने व चार पहिया वाहन में सीट बेल्ट का अनिवार्य रूप से प्रयोग करने का संकल्प लिया गया। विद्यार्थियों और शिक्षकों को आपातकालीन वाहनों की भी जानकारी दी गई। साथ ही सड़क पर घायल को अस्पताल पहुंचाने के लिए भी प्रेरित किया गया।

मोरी में ऑनलाइन व्यवस्था बनी रोजगार की राह में रोड़ा

पुरोला। दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियों वाले मोरी विकासखंड में ऑनलाइन व्यवस्था अब ग्रामीण रोजगार और विकास कार्यों के आड़े आ रही है। नेटवर्क कनेक्टिविटी की समस्या के चलते जरूरतमंद श्रमिकों की उपस्थिति दर्ज कराने में आ रही दिक्कतों को देखते हुए प्रधान संगठन मोरी ने मनरेगा की तर्ज पर ऑफलाइन कार्य व्यवस्था लागू करने की मांग उठाई है।

संगठन के अध्यक्ष एवं ग्राम प्रधान गुराड़ी कैलाश प्रसाद डिमरी ने मंगलवार को जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर वीबीजीरामजी योजना में स्थानीय जरूरतों के अनुसार कार्य स्वीकृत करने की मांग की। प्रधान संगठन के अनुसार इन कार्यों की मोरी के गांवों में लंबे समय से जरूरत है और इन्हें रोजगारपरक तरीके से संचालित किया जा सकता है। कैलाश ने कहा कि मोरी जैसे दुर्गम क्षेत्र में मैदानी क्षेत्रों के अनुरूप ऑनलाइन व्यवस्था लागू करने के बजाय स्थानीय परिस्थितियों को ध्यान में रखना जरूरी है।

रूपचंद्र लखेड़ा बने मंदिर समिति के अध्यक्ष

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : उदयपुर क्षेत्र स्थित प्राचीन शिक्तपीठ माता श्याम सुंदरी मंदिर समिति की नवीन कार्यकारिणी का गठन किया गया। सर्वसम्मति से अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी रूपचंद्र लखेड़ा को दी गई। इस दौरान सदस्यों ने मंदिर के बेहतर विकास के लिए कार्य करने का संकल्प लिया।

मंदिर परिसर में आयोजित अधिवेशन के दौरान अब तक मंदिर में हुए कार्यों का विवरण रखा गया। इस दौरान पूर्व जिला पंचायत सदस्य व कांग्रेस के पूर्व जिलाध्यक्ष विनोद डबराल को समिति की ओर से सम्मानित भी किया गया। इसके उपरांत आयोजित चुनाव प्रक्रिया के दौरान रूपचंद लखेड़ा को मंदिर समिति का अध्यक्ष चुना गया। राजेश लखेड़ा को उपाध्यक्ष, विनय मोहन को सचिव, गोपाल कुकरेती को कोषाध्यक्ष व विनोद लखेड़ा को उपसचिव की जिम्मेदारी दी गई। भारत लखेड़ा को आय-व्यय निरीक्षक बनाया गया। नई कार्यकारिणी में जिला पंचायत सदस्य कविता डबराल व रिखेड़ा के ग्राम प्रधान दीपचंद्र लखेड़ा को पदेन सदस्य बनाया गया। वहीं, पंडित उमेश बडोला, किशोर शर्मा और बृजमोहन सिंह रावत को कार्यकारिणी सदस्य चुना गया। अधिवेशन के बाद समिति की ओर से एक वृक्ष मां श्याम सुंदरी के नाम अभियान के तहत मंदिर परिसर में पौधारोपण किया गया। इस दौरान पीपल, नीम, आंवला, हरड़ व बहेड़ा समेत विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपे गए। समिति ने इस पहल के माध्यम से धार्मिक आस्था के साथ पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। समिति अध्यक्ष रूपचंद लखेड़ा ने बताया कि आगामी शारदीय नवरात्रि के सफल आयोजन और पूजा व्यवस्था को लेकर चार अक्टूबर को मंदिर परिसर में कार्यकारिणी की बैठक आयोजित की जाएगी।

मंदिर परिसर में पौधा रोपण करते नवनियुक्त पदाधिकारी

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रवर मण्डल अभियन्ता/मुख्यालय/मुरादाबाद द्वारा ई टेन्डर निम्न टेन्डर संख्या के अर्न्तगत आमंत्रित किये जाते है। धरोहर राशि का भुगतान निविदादाता द्वारा केवल IREPS पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से आनलाइन भुगतान करना होगा। डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर चैक, डिपाजिट रसीद आदि स्वीकार्य नहीं होंगे। टेन्डर से संबधित अन्य जानकारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें।

Tender No. & Date	167-DRM-MB-26-27 dt. 25.08.2026	171-DRM-MB-26-27 dt. 25.08.2026	172-DRM-MB-26-27 dt. 25.08.2026	174-DRM-MB-26-27 dt. 25.08.2026
Name of work	Raising of existing rail level PF to High level PF and Foundation and civil work of FOB at Bisharatganj station under ADEN/CH.	Safety related miscellaneous track activities in the section of SSE/Pway/RG under ADEN/CH.	Safety related miscellaneous track activities in the section of SSE/Pway/MB under ADEN/HQ.	Heavy repair to bridge, inspection steps and other misc. works at bridges in the section of SSE/W/HQ/MB under ADEN/HQ/MB.
Tender Closing Date/Time	18.09.2026	18.09.2026	18.09.2026	18.09.2026
Advertised Value (Rs.)	2,28,37,051.42	97,99,999.66	99,99,998.35	69,99,997.62
Earnest Money (Rs.)	4,56,800.00	1,96,000.00	2,00,000.00	1,40,000.00
Tender Cost (Rs.)	00	00	00	00
Bidding Start Date	04.09.2026	04.09.2026	04.09.2026	04.09.2026
Period of Completion	06 Months	12 Months	12 Months	12 Months

सं.: 75-W /2/3/WA/Publication दिनांक: 25.08.2026 2956/26

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

संपादकीय

आरक्षण : आर्थिक या जातीय आधार?

भारत में आरक्षण व्यवस्था को लेकर एक बड़ी बहस छिड़ गई है जिसमें सामान्य जाति के युवाओं ने आरक्षण को दिया है। आरक्षण की व्यवस्था एक खास वर्ग को समाज में उचित स्थान दिलाने के लिए शुरू की गई थी लेकिन आज इसका दुरुपयोग होने के साथ–साथ होनहार एवं प्रतिभा पर भी भारी पड़ रहा है। संविधान निर्माताओं ने उन वर्गों को मुख्यधारा में लाने के लिए आरक्षण की व्यवस्था की, जो सदियों से सामाजिक भेदभाव, अस्पृश्यता और अवसरों की कमी का सामना करते रहे थे। इसी कारण अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और बाद में अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए आरक्षण की व्यवस्था की गई। समय के साथ यह बहस तेज हुई है कि आरक्षण का आधार जाति होना चाहिए या आर्थिक स्थिति। आर्थिक आधार के समर्थकों का तर्क है कि गरीबी किसी एक जाति की समस्या नहीं है। आज सामान्य वर्ग से लेकर अन्य समुदायों तक अनेक परिवार आर्थिक रूप से कमजोर हैं। ऐसे में अवसरों का वितरण आर्थिक स्थिति के आधार पर अधिक न्यायसंगत प्रतीत होता है। इसी सोच के तहत आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (एहर) के लिए 10 प्रतिशत आरक्षण की व्यवस्था लागू की गई। आरक्षण की व्यवस्था पर बहस अब तूफान पर है तो वहीं दूसरी ओर जातीय आधार पर आरक्षण के समर्थकों का कहना है कि आरक्षण का उद्देश्य केवल गरीबी दूर करना नहीं, बल्कि ऐतिहासिक सामाजिक भेदभाव और प्रतिनिधित्व की कमी को दूर करना है। उनका तर्क है कि कई समुदाय आज भी सामाजिक पूर्वाग्रहों और अवसरों की असमानता का सामना कर रहे हैं, इसलिए केवल आय को आधार बनाना पर्याप्त नहीं होगा। हाल ही में केंद्र सरकार ने भी न्यायालय में कहा कि एससी, एसटी और ओबीसी आरक्षण का आधार सामाजिक और ऐतिहासिक पिछड़ापन है, केवल आर्थिक स्थिति नहीं। तारक दोनों ही सही लगते हैं लेकिन सबसे महत्वपूर्ण यह है कि आरक्षण के कारण योग्य प्रतिभाओं को अवसरों से वंचित होना पड़ रहा है और यह एक कटु सत्यहै। आर्थिक रूप से कमजोर व्यक्ति को सहायता मिलनी चाहिए, चाहे वह किसी भी जाति का हो। वहीं सामाजिक भेदभाव और ऐतिहासिक वंचना की अनदेखी भी नहीं की जा सकती। इसलिए आवश्यकता टकराव की नहीं, बल्कि संतुलन की है। आरक्षण व्यवस्था की समय–समय पर समीक्षा होनी चाहिए ताकि इसका लाभ वास्तव में जरूरतमंद लोगों तक पहुंचे और समाज में समान अवसरों का विस्तार हो सके। आज देश को जरूरत है आरक्षण व्यवस्था में व्यापक सुधार करने की क्योंकि न केवल यह सामान्य वर्ग के युवाओं के अवसर पर सेंध लग रहा है बल्कि सामान्य वर्ग के मेहनती छात्रों में निराशा भी पैदा कर रहा है। आरक्षण का प्रश्न केवल आर्थिक या केवल जातीय आधार तक सीमित नहीं किया जा सकता। सामाजिक न्याय, आर्थिक समानता और अवसरों की उपलब्धता, इन बिंदुओं को ध्यान में रखते हुए ऐसी नीति विकसित करनी होगी जो संविधान की मूल भावना को मजबूत करे और समाज के प्रत्येक वंचित व्यक्ति को आगे बढ़ने का अवसर प्रदान करे। यही समावेशी दृष्टिकोण राष्ट्र की प्रगति और सामाजिक एकता का आधार बन सकता है।

भूत को छोड़ो, वर्तमान और भविष्य की चिंता करो

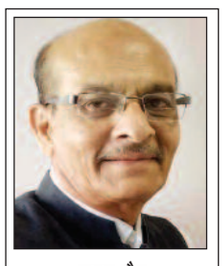

सनत जैन

भारत की राजनीति पिछले तीन दशकों से लगातार भूतों के सहारे चल रही है। कभी बोफोर्स, कभी 2जी, कभी कोयला घोटाला, कभी राम मंदिर, कभी स्वतंत्रता आंदोलन, कभी नेहरू-गांधी परिवार, कभी भारत-पाकिस्तान विभाजन और अब दशकों पुराने घटनाक्रमों की फाइलें खोलकर राजनीति को वर्तमान से हटाकर अतीत में धकेला जा रहा है। सवाल यह है, क्या भूतों को बार-बार कब्र से निकालने से देश का भविष्य बनेगा? बोफोर्स का मामला दशकों तक राजनीतिक हथियार बना रहा। जांच हुई, अरबों रुपए खर्च हुए, देश-विदेश में यात्राएं हुईं, राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप चलते रहे। अंततः फाइल बंद करना पड़ी, क्योंकि कोई भी सबूत नहीं मिला। हां राजनीति से गांधी परिवार जरूर बाहर हो गया। 1989 से लेकर 2026 तक गांधी परिवार का कोई भी सदस्य सरकार के किसी पद पर नहीं रहा। यह सत्य है। इसी तरह मनमोहन सिंह सरकार के समय लगाए गए कई बड़े घोटालों के आरोप, जांच और न्यायिक प्रक्रिया में अलग-अलग रूप में सामने आए। 2जी और कोयला आवंटन इसके उदाहरण हैं। कैग के तत्कालीन सर्वेसर्वा विनोद राय ने कथनी और करनी को लेकर क्षमा भी मांग ली। साजिश एवं राजनीति की इन घटनाओं से सबक लेने के बजाय उन्हें सत्ता तक पहुंचाने के लिए सीढ़ी बना लेने से आज देश स्वतंत्रता के समय की स्थिति में पहुंचने जा रहा है।

2012 के बाद तो जैसे अतीत ही राजनीति का सबसे बड़ा हथियार बन गया है। सवाल यह नहीं है, आज रोजगार कहां है, शिक्षा कैसी है, स्वास्थ्य व्यवस्था क्यों कमजोर है, किसानों की आय और युवाओं का भविष्य क्या होगा। करोड़ों डिग्रीधारी और असंगठित क्षेत्र के युवा बेरोजगार हैं। लाखों स्कूल बंद हो गए हैं। अनपढ़ों की जमात बढ़ती जा रही है। 35, 50 या 75 साल पहले किसने क्या गलती की थी? इस पर राजनीति हो रही है। ऐसी स्थिति में वर्तमान और भविष्य कैसे सुधरेगा? 1998 का जम्मू-कश्मीर वंधामा नरसंहार की जांच फिर से शुरू करने की चर्चा सामने आ रही है। उस घटना में 23 लोगों की हत्या हुई थी, जिनमें महिलाएं और बच्चे भी थे। अपराधियों को सजा और पीड़ितों को न्याय पहले भी दिया जा चुका है। सवाल यह है, न्याय और राजनीति के बीच की सीमा कौन तय करेगा? जो पहले हुआ है, वह सही है, या गलत है। सत्ता की लड़ाई में पुराने जख्मों को भरने के बजाय उन्हें कुरेदकर कश्मीरी पंडित बनाम मुसलमान के बीच एक नई खाई तैयार की जा रही है? भूत को न्याय देना, भूत के सहारे राजनीति करना यह दो अलग बातें हैं। जीवन का सबसे बड़ा सत्य यही है, जो चला गया, वह वापस नहीं आता। मृत्यु के बाद जीवन रुकता नहीं है। परिवार को आगे बढ़ना पड़ता है। बच्चों को भोजन चाहिए, शिक्षा चाहिए, रोजगार चाहिए। इसलिए मृत शरीर को सम्मानपूर्वक अंतिम संस्कार के रूप में विदा करके हम उसे भूलते हैं। यह कहने में कठोर लग सकता है, लेकिन यही जीवन का सत्य है। राष्ट्र भी इसी नियम से चलता है। भारत मे कब तक कब्रें खोद-खोदकर हम भूतों को निकालते रहेंगे?

आज देश में राज्य सरकार, केंद्र सरकार, स्थानीय प्रशासन और आम आदमी कर्ज बढ़ने से हैरान और परेशान है। 20 करोड़ लोगों के पास कोई काम नहीं है। रोजगार की चुनौती, कमजोर होती सार्वजनिक व्यवस्थाओं, बंद होते स्कूलों, महंगी शिक्षा, चिकित्सा और 80 करोड़ लोगों को 5 किलो अनाज, तथा सरकारी सहायता पर निर्भरता बुनियादी सवाल हैं। सामाजिक व्यवस्था धर्म और जाति के संघर्षों में उलझती जा रही है। देश की राजनीति बार-बार अतीत में लौट जाती है। जनरेशन-जी और जनरेशन-अल्फा इस राजनीति को अलग नजर से देख रही है। यह पीढ़ी मोबाइल, इंटरनेट और डिजिटल दुनिया के बीच पैदा होकर बड़ी हुई है। उसके लिए 50 साल पहले क्या हुआ, यह इतिहास है, उसके लिए आज नौकरी मिलेगी या नहीं, शिक्षा कैसी होगी, तकनीक उसके जीवन को कैसे बदलेगी, भविष्य सुरक्षित होगा या नहीं,यह उसकी वास्तविक चिंता है। नई पीढ़ी अपने मां-बाप से कह रही है, आपने जो किया, वह इतिहास बन गया है। हमारी आज की जरूरतें पूरी करें। यदि आप हमारी जरूरत पूरी नहीं कर सकते हैं, तो अपना भविष्य हम स्वयं बनाएंगे। यह संदेश सत्ता और व्यवस्था में बैठे लोगों को समझना होगा।

न्यायपालिका को भी समझना होगा। भारतीय संविधान ने मौलिक अधिकारों के साथ नागरिक अधिकार पैदा किए हैं। ध्यान रखना होगा, भूख और बेरोजगारी का कोई धर्म नहीं होता है। खाली पेट की भीड़ को धर्म एवं इतिहास नहीं, रोटी पानी की जरूरत होती है। बेरोजगार युवा को पुरानी लड़ाइयां नहीं, वर्तमान में रोजगार और नौकरी चाहिए। बीमार व्यक्ति को भाषण नहीं, चिकित्सा के लिए अस्पताल चाहिए। विद्यार्थी को अतीत की बहस नहीं, अच्छी शिक्षा के अवसर चाहिए। सत्ता में बने रहने के लिए यदि हर बार नया भूत निकाला जाएगा। एक दिन वर्तमान सत्ता इतनी कमजोर हो जाएगी। भविष्य के लिए उसके पास कुछ नही बचेगा। सबसे बड़ा खतरा यही है। भूतों के साथ रहते-रहते भूत न बन जाएं। भारत की राजनीति को अब भूत से निकालकर वर्तमान और भविष्य के लिए प्रयोग शालाओं, स्कूलों, अस्पतालों, उद्योगों और रोजगार तकनीकी और शोध के मैदान में सारी दुनिया के साथ प्रतिस्पर्धा के लिए मैदान में आना होगा। अतीत से सीखना जरूरी होता है, अतीत में रहना आत्मघाती होता है। समय गतिशील है, वर्तमान और भविष्य भी इस गतिशीलता से बदलता है। अतीत मे अटक कर वर्तमान और भविष्य को खो देते हैं। भूतों को इतिहास के पन्नों में रहने दीजिए, वर्तमान को बचाइए। भविष्य का निर्माण वर्तमान से जुड़ने पर होगा। यही वर्तमान भारत की सबसे बड़ी जरूरत है।

मदर टेरेसा: गरीबों की सांसों में बसने वाली संत

योगेश कुमार गोयल

मदर टेरेसा का नाम सुनते ही मानवता, करुणा और सेवा का पवित्र स्वरूप आंखों के सामने उभर आता है। उनका जीवन इस तथ्य का सबसे बड़ा प्रमाण है कि निस्वार्थ भाव से दूसरों के दुःख को दूर करने का संकल्प ही मनुष्य को वास्तविक अर्थों में महान बनाता है। 26 अगस्त 1910 को अल्बानिया के स्कोप्जे में एगनेस गोंझा बोयाज्यू के रूप में जन्मी इस नन्हीं बालिका ने बचपन से ही धर्म और सेवा के प्रति गहरी आस्था प्रकट की थी। जब वे केवल 12 वर्ष की थी, तभी उनके भीतर यह संकल्प जाग उठा था कि उनका जीवन केवल दूसरों की भलाई के लिए समर्पित होगा। यही संकल्प आगे चलकर उन्हें पूरी मानवता के लिए करुणा की मूर्ति बना गया।

18 वर्ष की आयु में उन्होंने 'सिस्टर्स ऑफ लोरेटो' से जुड़कर धार्मिक जीवन की ओर कदम बढ़ाए और 1929 में भारत आईं। कलकत्ता स्थित सेंट मैरी स्कूल में उन्होंने अध्यापिका के रूप में कार्य करना शुरू किया। अध्यापन कार्य के दौरान वे छात्रों को केवल पढ़ाई ही नहीं, अनुशासन और नैतिक मूल्यों का भी पाठ पढ़ाती थी किंतु धीरे-धीरे उनका मन स्कूल की चारदीवारी से बाहर रहने वाले निर्धन, रोगग्रस्त और बेसहारा लोगों की ओर अधिक खिंचने लगा। 1946 में दार्जिलिंग की यात्रा के दौरान उन्हें अपने जीवन का वास्तविक ध्येय मिला। उन्होंने महसूस किया कि उन्हें शिक्षण कार्य से ऊपर उठकर गरीबों और असहायों की सीधी सेवा करनी चाहिए। यह क्षण उनके जीवन की दिशा बदल देने वाला साबित हुआ।

कलकत्ता की झुग्गियों और गलियों में रहने वाले लोगों की असहनीय पीड़ा को देखकर उन्होंने 1950 में 'मिशनरीज ऑफ चैरिटी' की स्थापना की। इस संस्था का मुख्य उद्देश्य था सबसे गरीब, सबसे लाचार और सबसे उपेक्षित लोगों की निःस्वार्थ सेवा करना। संस्था का ध्येय वाक्य ही था, 'सबसे गरीबों में भी सबसे गरीब की सेवा।' मदर टेरेसा ने सेवा की परिभाषा केवल भोजन और दवा देने तक सीमित नहीं रखी बल्कि उनके लिए सेवा का अर्थ था पीड़ित व्यक्ति को यह अनुभव कराना कि वह अकेला नहीं है, उसे प्यार और सम्मान मिला हुआ है। यही कारण था कि वे सदैव कहा करती थी, 'हम बड़े-बड़े कार्य नहीं कर सकते लेकिन हम छोटे-छोटे कार्य बड़े प्रेम से कर सकते हैं।'

उनके आश्रमों में केवल भोजन या उपचार की सुविधा ही नहीं दी जाती थी बल्कि वहां पीड़ित व्यक्तियों को जीवन की गरिमा और आत्मसम्मान भी लौटाया जाता था। उन्होंने कुष्ठ रोगियों को समाज में सम्मान दिलाने के लिए आश्रम बनाए, अनाथ और परित्यक्त बच्चों के लिए घर खोले और मृत्युशैया पर पड़े लोगों को अंतिम क्षणों में भी प्रेम और स्नेह का अहसास कराया। उनकी संस्था धीरे-धीरे भारत ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया में फैल गई, जिसके सैंकड़ों केंद्र आज विभिन्न देशों में मानव सेवा का कार्य कर रहे हैं। मदर टेरेसा की असाधारण सेवाओं को देखते हुए उन्हें अनेक राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। 1962 में भारत सरकार ने उन्हें पद्मश्री से अलंकृत किया और 1980 में 'भारत रत्न' प्रदान कर सर्वोच्च नागरिक सम्मान दिया। विश्व स्तर पर उन्हें 1979 में नोबेल शांति पुरस्कार दिया गया। इसके अतिरिक्त अनेक देशों ने उन्हें अपने सर्वोच्च सम्मानों से विभूषित किया किंतु इन सब पुरस्कारों और मान-सम्मानों के बीच भी वे सदैव विनम्र बनी रही और स्वयं को केवल ईश्वर का साधन मानती रही।

उनके जीवन और कार्यों की इतनी ऊंचाई होने के बावजूद वे आलोचनाओं से अछूती नहीं रही। कई बार उन पर धर्मांतरण के आरोप लगाए गए तो कई बार उनके आश्रमों में आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं की कमी की बात उठाई गई किंतु यह निर्विवाद सत्य है कि मदर टेरेसा ने लाखों असहायों को आशा, सहारा और जीवन का सम्मान प्रदान किया। उनके कार्यों का व्यापक प्रभाव इसी से समझा जा सकता है कि वे समाज की उस परत तक पहुंची, जिसे प्रायः शासन और व्यवस्था भी अनदेखा कर देती थी। 5 सितंबर 1997 को 87 वर्ष की आयु में जब उनका निधन हुआ, तब समूचे विश्व ने उन्हें खोने का दुःख अनुभव किया। उनके अंतिम संस्कार में दुनिया के अनेक देशों के नेता उपस्थित हुए और भारत ने उन्हें राजकीय सम्मान के साथ विदाई दी। उनकी मृत्यु के बाद भी उनकी संस्था 'मिशनरीज ऑफ चैरिटी' उसी निष्ठा से मानवता की सेवा में कार्यरत है। 2016 में पोप फ्रांसिस ने उन्हें संत की उपाधि प्रदान की, जिससे उनका जीवन एक वैश्विक आध्यात्मिक प्रेरणा का प्रतीक बन गया। मदर टेरेसा का जीवन इस तथ्य को रेखांकित करता है कि वास्तविक महानता किसी पद, संपत्ति या शक्ति में नहीं बल्कि निस्वार्थ सेवा और करुणा में निहित है। उन्होंने यह साबित किया कि जब तक हम दूसरों के दुःख को अपना नहीं मानते, तब तक जीवन का सही अर्थ अधूरा रहता है। आज जब दुनिया हिंसा, असमानता और स्वार्थ की चपेट में है, तब मदर टेरेसा का संदेश पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक हो उठता है। उन्होंने सिखाया कि प्रेम और करुणा ही वह शक्ति है, जो मानवता को जोड़ सकती है। उन्होंने धर्म, जाति और भाषा की सीमाओं से परे जाकर यह बताया कि इंसानियत ही सबसे बड़ा धर्म है। यही उनकी सबसे बड़ी विरासत है, जिसे आगे बढ़ाना हर व्यक्ति का कर्त्तव्य है। मदर टेरेसा की जयंती का अवसर केवल स्मरण का नहीं बल्कि आत्ममंथन का अवसर है, जो हमें यह सोचने पर विवश करता है कि हम अपने जीवन में कितना समय और कितनी संवेदनशीलता समाज के जरूरतमंदों के लिए समर्पित करते हैं। यदि हर व्यक्ति अपने आसपास के जरूरतमंदों के लिए थोड़ा-सा भी प्रयास करे तो समाज में फैली असमानता और पीड़ा काफी हद तक कम हो सकती है। मदर टेरेसा का जीवन हमें यही सिखाता है कि सच्चा धर्म केवल मानव सेवा है और सच्ची पूजा केवल करुणा है।

अंतरिक्ष में भारत की निजी शक्ति एवं वैज्ञानिक सामर्थ्य की उड़ान

ललित गर्ग

आवश्यकता है कि वैज्ञानिक जिज्ञासा को उद्यमिता से, सरकारी नीति को निजी ऊर्जा से और भारतीय प्रतिभा को वैश्विक अवसरों से जोड़ा जाए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का अंतरिक्ष विजन इसी समन्वय को दिशा देता है। भारत ने धरती से चंद्रमा तक अपनी क्षमता सिद्ध कर दी है, अब चुनौती है कि वह अंतरिक्ष में अपनी वैज्ञानिक शक्ति के साथ-साथ आर्थिक, तकनीकी और मानवीय नेतृत्व की भी ऐसी छाप छोड़े, जिसे दुनिया लंबे समय तक याद रखे। यही नई अंतरिक्ष उड़ान आत्मनिर्भर भारत को विकसित भारत की व्यापक आकांक्षा से जोड़ने वाली एक महत्वपूर्ण कड़ी बन सकती है।

भारत की अंतरिक्ष यात्रा अब केवल सरकारी संस्थानों और वैज्ञानिक प्रयोगशालाओं तक सीमित नहीं रह गई है। यह यात्रा आज नवाचार, उद्यमिता, युवा प्रतिभा, निजी पूंजी और वैश्विक महत्वाकांक्षा के ऐसे संगम में बदल रही है, जिसने भारत को अंतरिक्ष महाशक्ति बनने की दिशा में एक नई गति प्रदान की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में अंतरिक्ष क्षेत्र में निजी सहभागिता के द्वार खोलने का निर्णय इसी परिवर्तन का निर्णायक पड़ाव है। कभी जिस अंतरिक्ष क्षेत्र को लगभग पूरी तरह सरकारी नियंत्रण और संस्थागत सीमाओं के भीतर देखा जाता था, आज वहां सैकड़ों नवोदित उद्यम अपने सपनों, तकनीक और साहस के साथ नई संभावनाओं का आकाश तलाश रहे हैं। प्रधानमंत्री द्वारा भारतीय निजी अंतरिक्ष उद्यमियों से संवाद कर उन्हें प्रेरित करना केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि भविष्य के भारत की दिशा का उद्घोष है। इसमें उन्होंने जिस आत्मविश्वास के साथ भारत को विश्व की अंतरिक्ष प्रतिभा, निवेश और उद्यमिता का आकर्षण-केंद्र बनाने का सपना प्रस्तुत किया, वह भारत की बदलती वैश्विक भूमिका का भी संकेत है। भारत की अंतरिक्ष उपलब्धियों का इतिहास अपने आप में असाधारण है। सीमित संसाधनों के बीच भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन ने जिस वैज्ञानिक अनुशासन, आत्मनिर्भरता और संकल्प का परिचय दिया, उसने दुनिया को चकित किया है। आर्यभट्ट से प्रारंभ हुई यात्रा मंगलयान तक पहुंची, चंद्रयान ने चंद्रमा के रहस्यों को समझने की भारतीय क्षमता सिद्ध की और चंद्रयान-3 ने भारत को चंद्रमा के दक्षिणी ध्रूवीय क्षेत्र में सफलतापूर्वक उतरने वाला पहला देश बनाकर इतिहास रचा। यह उपलब्धि केवल एक वैज्ञानिक सफलता नहीं थी, यह भारतीय प्रतिभा, तकनीकी आत्मविश्वास और असंभव को संभव करने की राष्ट्रीय क्षमता का प्रमाण थी। मंगलयान ने कम लागत में अंतरग्रहीय अभियान की सफलता से दुनिया को भारत की वैज्ञानिक दक्षता का परिचय दिया। आदित्य-एल1 ने सूर्य के अध्ययन की दिशा में भारत की महत्वाकांक्षा को नई ऊंचाई दी। अंतरिक्ष में मानव उपस्थिति की तैयारी से जुड़ा गगनयान अभियान भारत की अगली बड़ी छलांग का संकेत है। इस पूरी यात्रा ने यह स्पष्ट किया है कि भारत अब अंतरिक्ष विज्ञान मंद केवल उपलब्धियों का अनुकरण करने वाला देश नहीं, बल्कि नए मानदंड स्थापित करने की क्षमता रखने वाला राष्ट्र है।

इस उपलब्धि की अगली स्वाभाविक कड़ी निजी क्षेत्र की भागीदारी है। अंतरिक्ष क्षेत्र में सुधारों के बाद भारत में लगभग 440 अंतरिक्ष-प्रौद्योगिकी नवोदित उद्यमों का उभरना इस परिवर्तन की गहराई को दर्शाता है। इनमें कुछ उपग्रह निर्माण में लगे हैं, कुछ प्रक्षेपण यानों की तकनीक विकसित कर रहे हैं, कुछ अंतरिक्ष आधारित आंकड़ों के विश्लेषण, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, पृथ्वी अवलोकन, संचार, मौसम पूर्वानुमान और अंतरिक्ष मलबे के प्रबंधन जैसी अत्याधुनिक दिशाओं में काम कर रहे हैं। स्काईरूट एयरोस्पेस ने निजी क्षेत्र के रॉकेट प्रक्षेपण की दिशा में ऐतिहासिक कदम उठाया है, जबकि अग्निकुल कॉसमॉस ने स्वदेशी तकनीक और आधुनिक निर्माण पद्धतियों के माध्यम से यह दिखाया है कि भारतीय निजी उद्यम अंतरिक्ष प्रक्षेपण के कठिन क्षेत्र में भी अपनी जगह बना सकते हैं। ये प्रयास उस मानसिकता को बदल रहे हैं जिसमें अंतरिक्ष केवल वैज्ञानिक प्रतिष्ठानों का क्षेत्र माना जाता था। अब यह युवा उद्यमियों के लिए रोजगार, अनुसंधान, निवेश और वैश्विक व्यापार का नया क्षेत्र बन रहा है। इस परिवर्तन का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि अंतरिक्ष अब केवल आकाश में उपलब्धियों का विषय नहीं, बल्कि धरती पर जीवन को बेहतर बनाने का साधन भी बन रहा है। उपग्रह आधारित सेवाएं कृषि की उत्पादकता बढ़ाने, फसल की निगरानी करने, जल संसाधनों की पहचान, मौसम की सटीक जानकारी देने, मछली पालन, वन संरक्षण और आपदा प्रबंधन में उपयोगी हो सकती हैं। बाढ़, चक्रवात, सूखा और भूस्खलन जैसी प्राकृतिक आपदाओं के समय अंतरिक्ष से प्राप्त सूचनाएं राहत और बचाव कार्यों को अधिक प्रभावी बना सकती हैं। गांवों और दूरदराज के क्षेत्रों में संचार तथा डिजिटल सेवाओं के विस्तार में भी अंतरिक्ष तकनीक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। इसलिए भारत का अंतरिक्ष कार्यक्रम अब केवल वैज्ञानिक गौरव का विषय नहीं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन और आर्थिक विकास का शक्तिशाली माध्यम बन रहा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का अंतरिक्ष संबंधी दृष्टिकोण इसी व्यापक सोच पर आधारित दिखाई देता है। उनका सपना भारत को केवल अंतरिक्ष में पहुंचने वाला देश बनाना नहीं, बल्कि अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था में अग्रणी शक्ति बनाना है। वे चाहते हैं कि दुनिया की प्रतिभाएं भारत आएं, भारतीय युवा अंतरिक्ष क्षेत्र में नए विचारों के साथ आगे बढ़ें और भारत वैश्विक अंतरिक्ष कंपनियों तथा निवेशकों के लिए विश्वसनीय केंद्र बने। यह दृष्टिकोण भारत की आर्थिक शक्ति को नई दिशा दे सकता है। अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था आने वाले वर्षों में संचार, मौसम, रक्षा, कृषि, परिवहन, ऊर्जा, आपदा प्रबंधन और डिजिटल सेवाओं के साथ गहराई से जुड़ने वाली है। ऐसे में जो देश इस क्षेत्र में तकनीकी नेतृत्व स्थापित करेगा, उसकी आर्थिक और रणनीतिक शक्ति भी बढ़ेगी। निजी अंतरिक्ष उद्यमों के सामने संभावनाएं जितनी बड़ी हैं, चुनौतियां भी उतनी ही गंभीर हैं। अंतरिक्ष तकनीक में अनुसंधान और विकास के लिए भारी पूंजी चाहिए। प्रक्षेपण की असफलता का जोखिम सामान्य उद्योगों की तुलना में कहीं अधिक होता है। अत्यंत जटिल तकनीक, कठोर सुरक्षा मानक, कुशल मानव संसाधन और दीर्घकालिक निवेश की आवश्यकता इस क्षेत्र को कठिन बनाती है। इसलिए सरकार की भूमिका केवल नियम बनाने तक सीमित नहीं रह सकती। उसे ऐसी नीतियां बनानी होंगी जो नवाचार को प्रोत्साहित करें, निजी उद्यमों को परीक्षण सुविधाएं उपलब्ध कराएं, अनुसंधान संस्थानों और उद्योगों के बीच सहयोग बढ़ाएं तथा निवेशकों का विश्वास कायम रखें। अंतरिक्ष क्षेत्र की एकल खिड़की व्यवस्था और भारतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष संवर्धन एवं प्राधिकरण केंद्र जैसी संस्थागत व्यवस्थाएं इस दिशा में महत्वपूर्ण आधार तैयार कर रही हैं।

भारत के लिए एक और बड़ी संभावना अंतरिक्ष में लागत और दक्षता की अपनी पारंपरिक ताकत को वैश्विक बाजार से जोड़ना है। भारत ने पहले ही यह सिद्ध किया है कि सीमित लागत में उच्च गुणवत्ता वाली अंतरिक्ष सेवाएं प्रदान की जा सकती हैं। यदि यही क्षमता निजी क्षेत्र की गति, नवाचार और जोखिम उठाने की प्रवृत्ति से जुड़ती है तो भारत छोटे उपग्रहों के प्रक्षेपण, उपग्रह निर्माण, अंतरिक्ष आधारित आंकड़ों और वैश्विक अंतरिक्ष सेवाओं के क्षेत्र में बड़ा बाजार हासिल कर सकता है। इससे विदेशी मुद्रा अर्जन के साथ-साथ उच्च कौशल वाले रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। यहां भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन का अनुभव निजी क्षेत्र के लिए अमूल्य पूंजी है। दशकों की वैज्ञानिक साधना से अर्जित ज्ञान, प्रक्षेपण तकनीक, उपग्रह निर्माण की क्षमता और मिशन प्रबंधन का अनुभव अब देश के नवोदित उद्यमों के लिए मार्गदर्शक शक्ति बन सकता है। सरकारी संस्थान और निजी उद्यम यदि प्रतिस्पर्धा के साथ सहयोग की संस्कृति विकसित करें तो भारत की अंतरिक्ष शक्ति कई गुना बढ़ सकती है। सरकार का काम रास्ता खोलना है, वैज्ञानिक संस्थानों का काम ज्ञान और अनुभव उपलब्ध कराना है और निजी क्षेत्र का काम गति, नवाचार और बाजार की शक्ति को आगे बढ़ाना है। इन तीनों का समन्वय भारत को नई ऊंचाई दे सकता है।

प्रधानमंत्री मोदी का यह आह्वान कि भारत ऐसा वातावरण बनाए जहां दुनिया भर के युवा अंतरिक्ष क्षेत्र में अपना भविष्य बनाने के लिए यहां आने की सोचें, वास्तव में प्रतिभा की वैश्विक प्रतिस्पर्धा में भारत की नई आकांक्षा को व्यक्त करता है। यह केवल रॉकेटों की संख्या बढ़ाने का लक्ष्य नहीं है, यह भारत को अंतरिक्ष आधारित ज्ञान, तकनीक और अर्थव्यवस्था का केंद्र बनाने की कल्पना है। आने वाले समय में अंतरिक्ष में भारत की सफलता का मूल्यांकन केवल कितने उपग्रह भेजे गए या कितने रॉकेट छोड़े गए, इससे नहीं होगा। असली कसौटी यह होगी कि अंतरिक्ष तकनीक ने भारतीय किसान, विद्यार्थी, उद्यमी, सैनिक, वैज्ञानिक और सामान्य नागरिक के जीवन को कितना बेहतर बनाया। भारत की अंतरिक्ष यात्रा अब उस मुकाम पर है जहां आकाश सीमा नहीं, बल्कि अवसर है। चंद्रयान-3 की चंद्र विजय से लेकर सूर्य की ओर आदित्य-एल1 की यात्रा, मंगलयान की ऐतिहासिक सफलता से लेकर मानव को अंतरिक्ष में भेजने की तैयारी और सरकारी संस्थानों से निकलकर निजी स्टार्टअप के प्रक्षेपण तक भारत ने लंबी दूरी तय की है। अब अगला अध्याय और अधिक महत्वाकांक्षी होना चाहिए। आवश्यकता है कि वैज्ञानिक जिज्ञासा को उद्यमिता से, सरकारी नीति को निजी ऊर्जा से और भारतीय प्रतिभा को वैश्विक अवसरों से जोड़ा जाए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का अंतरिक्ष विजन इसी समन्वय को दिशा देता है। भारत ने धरती से चंद्रमा तक अपनी क्षमता सिद्ध कर दी है, अब चुनौती है कि वह अंतरिक्ष में अपनी वैज्ञानिक शक्ति के साथ-साथ आर्थिक, तकनीकी और मानवीय नेतृत्व की भी ऐसी छाप छोड़े, जिसे दुनिया लंबे समय तक याद रखे। यही नई अंतरिक्ष उड़ान आत्मनिर्भर भारत को विकसित भारत की व्यापक आकांक्षा से जोड़ने वाली एक महत्वपूर्ण कड़ी बन सकती है।

संक्षिप्त समाचार

कैब बुक करते ही आती है स्मार्ट कार, मशीन से कट जाते हैं पैसे: एआई ने कैसे बदली रोजमर्रा की जिंदगी

बीजिंग, एजेंसी। चीन में लोकप्रिय पर्यटन स्थल की सड़कों पर टहलते हुए या दफ्तर से घर लौटते वक्त अथवा शॉपिंग करते समय इन्सान का किसी न किसी एआई डिवाइस से टकराए बिना चलना नामुमकिन हो चुका है। इनमें से कई चीजें वाकई काम की हैं। बूढ़ी होती चीनी आबादी के लिए श्रमिकों की कमी रोबोट पाट रहे हैं, बाजारों में ह्यूमनॉइड का चलन बढ़ चुका है। सड़क पर एक डिवाइस रोड पार करने वाले पैदल यात्रियों को ट्रैक कर पुलिस की मदद कर रही है। सड़क पर गलती की तो डिवाइस आपको पकड़ती है। पर्यटन स्थलों में वेडिंग मशीन चेहरा पहचान कर वीचैट जैसे डिजिटल वॉलेट से पैसे काटती है। चीनी कंपनियां बीजिंग के इस विजन को हकीकत में बदलने की होड़ में जुट गई हैं। इसी का नतीजा हैं बढ़ते ह्यूमनॉइड्स, स्मार्ट कारें और कई तरह के रोबोट्स। यह सोच अमेरिकी सोच से इसलिए अलग है क्योंकि अमेरिका खास जगहों पर ही इस तरह के रोबोट्स का प्रयोग करता है। ह्यूमनॉइड रोबोट खुद ही ग्रॉसरी स्टोर को खुद रोबोट संभालता है। यहां तक कि आपके कूड़े को भी पहले एआई स्कैन करता है और बताता है कि वह सूखा कचरा है या गीला। उसके बाद आप सही डिब्बा चुनकर कचरा डालते हैं। सबसे बड़ी बात है कि सरकार खुद अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए एआई को सीधे फैक्टरियों, अस्पतालों, स्कूलों और दुकानों में लगाने को प्रेरित कर रही है। जहां अमेरिकी कंपनियां ज्यादातर चैटबॉट्स और सुपरह्यूमन इंटेलिजेंस के अनिश्चित लक्ष्य पर केंद्रित हैं, वहीं चीन सरकार चाहती है कि एआई सीधे फैक्ट्रियों और दुकानों में इस्तेमाल होकर अर्थव्यवस्था को नई ताकत दें।

थाईलैंड के तीन प्रांतों में हिंसा, प्रधानमंत्री अनुतिन ने बुलाई आपात बैठक; क्या है पूरा मामला

बैंकाक, एजेंसी। थाईलैंड के प्रधानमंत्री अनुतिन चार्नविराकुल ने रविवार को वरिष्ठ सुरक्षा अधिकारियों के साथ आपात बैठक की। देश के उत्तर में पहले से ही बाढ़ का संकट बना हुआ है। इसी बीच, दक्षिण के तीन प्रांतों में रातभर एक साथ हिंसा हुई। इन इलाकों में कुछ मुस्लिम विद्रोही संगठन सरकार के खिलाफ लड़ रहे हैं और अपने इलाके के लिए अलग शासन की मांग कर रहे हैं। अनुतिन के उत्तर की ओर रवाना होने से कुछ समय पहले यह बैठक हुई। उन्हें बुरी तरह बाढ़ प्रभावित नान प्रांत का जायजा लेना था। बैठक शनिवार रात दक्षिण के सबसे आखिरी तीन प्रांतों में हुई 51 घटनाओं के बाद बुलाई गई। इनमें नाराथिवाट, पट्टानी और याला शामिल हैं। हमलावरों का सेना या पुलिस से कोई सामना नहीं हुआ। अब तक सिर्फ तीन नागरिकों के घायल होने की जानकारी है। रविवार को बताया गया कि तीनों की हालत में सुधार हो रहा है। हिंसा में मुख्य रूप से छोटे बमों का इस्तेमाल हुआ। आगजनी की गई। संपत्तियों को भी नुकसान पहुंचाया गया। सबसे बड़ा निशाना पट्टानी का 7-इलेवन स्टोर था। सोशल मीडिया पर चल रहे एक वीडियो में हथियारबंद लोग स्टोर के बाहर घूमते दिखे। ग्राहक और कर्मचारी वहां से भागते नजर आए। इसके बाद स्टोर में आग लगा दी गई।

ईरान का दावा; खोज निकाला नया गैस भंडार, 15 साल तक होगी आपूर्ति; तेल मंत्री ने क्या बताया

तेहरान, एजेंसी। ईरान ने दक्षिणी फार्स प्रांत में एक नया गैस क्षेत्र खोजने का दावा किया है। ईरान के तेल मंत्री मोहसिन पाकनेजाद ने यह जानकारी दी। ईरानी समाचार एजेंसी आईआरआईबी के मुताबिक, इस नए गैस क्षेत्र में करीब 7,500 अरब घन फीट गैस होने का अनुमान है। पाकनेजाद ने रविवार को कहा कि 7,500 अरब घन फीट गैस की खोज हुई है। उन्होंने बताया कि 73 प्रतिशत गैस निकाली जा सकती है। इसके हिसाब से करीब 5,700 अरब घन फीट गैस निकालना संभव है। उन्होंने दावा किया कि यह मात्रा दक्षिण पार्स गैस क्षेत्र के एक ब्लॉक के बराबर है और इससे 15 साल तक गैस की आपूर्ति की जा सकती है। पाकनेजाद ने कहा कि नई खोजी गई स्वीट गैस है। इसका मतलब है कि इसमें सल्फर जैसी अशुद्धियां कम होती हैं। इससे गैस क्षेत्र को विकसित करने और संचालित करने की लागत कम करने में मदद मिलेगी। उन्होंने बताया कि इस खोज में गैस कंडेनसेट भी मिला है। यह गैस के साथ निकलने वाला एक तरह का तरल ईंधन होता है। पाकनेजाद ने कहा कि इससे ईरान को अरबों डॉलर की नई संपत्ति मिल सकती है। इस बीच, शनिवार को ईरान के पेट्रोलियम मंत्रालय की समाचार एजेंसी सना ने दक्षिण पार्स गैस क्षेत्र की फेज-14 रिफाइनरी को लेकर जानकारी दी।

ट्रंप के दामाद की डेमोक्रेट नेता से मुलाकात: मध्यावधि चुनाव से पहले बढ़ी हलचल; क्या बदलेगा सियासी समीकरण

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी संसद के निचले सदन प्रतिनिधि सभा में डेमोक्रेटिक नेता हकीम जेफरीज और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दामाद व बाहरी सलाहकार जरेड कुशनर ने हाल ही में न्यूयॉर्क में निजी मुलाकात की। यह मुलाकात ऐसे समय हुई है, जब नवंबर के मध्यावधि चुनाव में यह तय होना है कि प्रतिनिधि सभा किसका नियंत्रण होगा। अगर डेमोक्रेट रिपब्लिकन से प्रतिनिधि सभा में बहुमत छीन लेते हैं, तो माना जा रहा है कि व्हाइट हाउस उनके साथ काम करने के रास्ते तलाश सकता है।

मुलाकात में किन मुद्दों पर हुई बात : न्यूयॉर्क टाइम्स ने रविवार को सबसे पहले इस मुलाकात की सूचना दी। बातचीत में आवास, आव्रजन और बढ़ती महंगाई जैसे कई मुद्दे शामिल रहे। अमेरिका में लोग बढ़ती कीमतों से परेशान हैं। डेमोक्रेट इसके लिए ट्रंप और रिपब्लिकन पार्टी को जिम्मेदार ठहराते हैं। उनका आरोप है कि सरकार महंगाई को काबू करने में नाकाम रही है। कुशनर ने जेफरीज को व्हाइट हाउस की चीफ ऑफ स्टाफ सूसी विल्स से आगे की बातचीत के लिए मिलने का सुझाव दिया। नवंबर में अगर डेमोक्रेट फिर से सत्ता में आते हैं, तो जेफरीज के हाउस स्पीकर बनने की संभावना है। जेफरीज ने रविवार को दिए बयान में इस निजी बातचीत का जिक्र नहीं किया। हालांकि, उन्होंने कहा कि रिपब्लिकन सरकार को अपनी मेरी बात मानो या रास्ता छोड़ो वाली नीति छोड़नी चाहिए। उनके मुताबिक, यह नीति अमेरिकी लोगों के लिए नाकाम रही है। न्यूयॉर्क से सांसद जेफरीज ने कहा कि इस समस्या को रोकने के लिए वे कई बार साफ कर चुके हैं कि सख्ती का तरीका काम नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि इसका जोरदार विरोध किया जाएगा। उन्होंने सवाल किया कि क्या रिपब्लिकन भी उनके साथ आएंगे।

बहुमत खोने की चिंता क्यों : इस मुलाकात से इस बात का संकेत मिल रहा है कि रिपब्लिकन पार्टी को कांग्रेस में अपना बहुमत खोने की कितनी चिंता है। खासकर प्रतिनिधि सभा को लेकर चिंता ज्यादा है। व्हाइट हाउस भी राष्ट्रपति पर पड़ने वाले संभावित राजनीतिक असर को रोकने के लिए विपक्षी डेमोक्रेट से संपर्क बढ़ाना चाहता है।

अगर नवंबर के चुनाव में डेमोक्रेट प्रतिनिधि सभा का बहुमत हासिल कर लेते हैं, तो वे सरकार के कामकाज की कड़ी जांच कर सकते हैं। जेफरीज प्रशासन के कुछ लोगों को धोखेबाज कह चुके हैं। ऐसे में डेमोक्रेट के पास महाभियोग चलाने समेत सरकार पर दबाव बनाने के कई विकल्प होंगे।

माइक जॉनसन ने मुलाकात पर क्या कहा : ट्रंप के करीबी सहयोगी और हाउस स्पीकर माइक जॉनसन ने रविवार को इस मुलाकात के बारे में सवाल पूछे जाने पर नाराजगी जताई। उन्होंने कुशनर की भूमिका को कम करके बताया। जॉनसन ने कहा कि कुशनर अपना दांव दोनों तरफ रखते हैं। लुइसियाना से रिपब्लिकन सांसद जॉनसन ने फॉक्स न्यूज चैनल के कार्यक्रम में कहा कि प्रतिनिधि सभा में रिपब्लिकन के खिलाफ दांव लगाना ठीक नहीं होगा। जॉनसन ने कहा कि उन्हें नहीं पता कि यह मुलाकात किस बारे में थी। उन्होंने कहा कि जरेड के कई दूसरे कामों में भी हित हैं। उनके मुताबिक, कुशनर प्रशासन में सीधे तौर पर शामिल नहीं हैं, कम से कम व्हाइट हाउस के रोजमर्रा के काम में नहीं। व्हाइट हाउस ने इस मामले पर अब तक टिप्पणी नहीं की। कुशनर के प्रतिनिधि ने भी कोई जवाब नहीं दिया। कुशनर डेमोक्रेट नेताओं के लिए ट्रंप के पुराने संदेशवाहक रहे हैं। जेफरीज और कुशनर एक-दूसरे के लिए नए नहीं हैं। दोनों न्यूयॉर्क से हैं। ट्रंप के पहले कार्यकाल में दोनों ने एक अहम प्रस्ताव पर साथ काम किया था। इस प्रस्ताव में कुछ नशीली दवाओं से जुड़े अपराधों में सजा तय करने में ज्यादा लचीलापन देने का प्रावधान था। इसका मकसद संघीय जेल व्यवस्था में लंबी सजा को कम करना था।

दोनों के बीच बहुत करीबी संबंध नहीं हैं। इसके बावजूद दोनों ने संपर्क बनाए रखा है। ट्रंप लगातार जेफरीज पर हमला करते रहे हैं और डेमोक्रेटिक नेता भी उन्हें जवाब देते रहे हैं।

ट्रंप के दूसरे कार्यकाल में कुशनर की बड़ी भूमिका : ट्रंप के दूसरे कार्यकाल में कुशनर की भूमिका काफी बड़ी है। हालांकि, व्हाइट हाउस में उनके पास कोई आधिकारिक पद नहीं है। वह बाहरी सलाहकार और दूत के तौर पर काम करते हैं। खासकर विदेश में कूटनीतिक मिशनों के लिए वह यात्रा करते रहे हैं। अमेरिका और ईरान का युद्ध छठे महीने में पहुंच चुका है। राष्ट्रपति के दोबारा व्हाइट हाउस लौटने के बाद ट्रंप जेफरीज से अब तक केवल एक बार मिले हैं। उस मुलाकात में ट्रंप ने प्रतिनिधि सभा के नेता जेफरीज और न्यूयॉर्क के सीनेट डेमोक्रेटिक नेता चक शूमर को चिढ़ाया था। उन्होंने ओवल ऑफिस में दोनों के सामने मेज पर लाल रंग की मेक अमेरिका ग्रेट अगेन 2028 टोपी रखी थी।

अधिकृत देशों के होर्मुज से गुजरने वाले जहाजों से शुल्क वसूलेगा ईरान, क्या बताई वजह

तेहरान, एजेंसी। ईरान ने रविवार को कहा कि अधिकृत देशों के जो जहाज होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरेंगे, उन्हें अब तेहरान को सेवा शुल्क देना होगा। ईरान की राष्ट्रीय सुरक्षा आयोग के प्रवक्ता इब्राहिम रेजाई ने इस फैसले की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह शुल्क समुद्री, पर्यावरण और लॉजिस्टिक से जुड़ी कई तरह की सेवाओं के लिए लिया जाएगा। सरकारी प्रसारक आईआरआईबी के मुताबिक, यह फैसला होर्मुज जलडमरूमध्य की सुरक्षा और प्रगति सुनिश्चित करने के लिए रणनीतिक कार्रवाई योजना के अनुच्छेद 3 को मंजूरी मिलने के बाद लिया गया है। रेजाई ने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा आयोग ने इस योजना के अनुच्छेद 3 को मंजूरी दे दी है। इसके तहत होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने की अनुमति पाने वाले देशों के जहाजों को ईरान की ओर से दी जाने वाली सेवाओं का भुगतान करना होगा।

जहाजों से किस वजहों से शुल्क लिया जाएगा : उन्होंने कहा कि इन सेवाओं में जहाजों की आवाजाही के लिए मदद, पर्यावरण से जुड़ी सेवाएं, कुछ परिस्थितियों में ईंधन, बीमा, सुरक्षा और दूसरी सेवाएं शामिल हैं। प्रवक्ता ने बताया कि भुगतान के लिए लचीली वित्तीय व्यवस्था तैयार की गई है। उन्होंने कहा कि शुल्क ईरानी रियाल या इस्लामी गणराज्य ईरान की ओर से पसंद की जाने वाली किसी दूसरी मुद्रा में लिया जा सकता है।

होर्मुज जलडमरूमध्य अब भी बंद है- रेजाई : इससे पहले शनिवार को ईरान की सर्वोच्च राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के सचिव मोहसिन रेजाई ने कहा था कि होर्मुज जलडमरूमध्य अभी भी बंद है। उन्होंने कहा था कि जब तक अमेरिका अपनी जिम्मेदारियां पूरी नहीं करता और अपना रवैया नहीं बदलता, तब तक यह जलमार्ग दोबारा नहीं खोला जाएगा। आईआरआईबी को दिए इंटरव्यू में रेजाई ने कहा कि अमेरिकी दावों के बावजूद होर्मुज जलडमरूमध्य बंद है और अमेरिका का रवैया ठीक होने तक यह नहीं खुलेगा। उन्होंने कहा कि इस बार अमेरिका को पहले अपनी जिम्मेदारियां पूरी करनी होंगी। रेजाई ने यह भी आरोप लगाया कि अमेरिका सैन्य विकल्पों से निराश हो चुका है और अब आर्थिक नाकाबंदी के जरिये ईरान पर दबाव बनाने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने दावा किया कि इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को भरोसा दिलाया है कि आर्थिक नाकाबंदी ईरान को आत्मसमर्पण करने के लिए मजबूर कर देगी। दूसरी ओर, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फिर होर्मुज जलडमरूमध्य पर अमेरिका के नियंत्रण का दावा किया है। उन्होंने ट्रुथ सोशल पर एक तस्वीर साझा की। इसमें होर्मुज जलडमरूमध्य को न्यू यूएस टेरिटरी यानी नया अमेरिकी क्षेत्र बताया गया है। ट्रंप ने इससे पहले 18 अगस्त को एक पोस्ट साझा की थी।

जापानी कंपनियों की पहली पसंद भारत, फिर भी कारखाने थाईलैंड में ज्यादा; क्या है रणनीति

टोक्यो, एजेंसी। जापान के लिए भारत कागज पर पहली पसंद है, कारखाने के लिए थाईलैंड। जापानी कंपनियों की पसंद में भारत भले 61.8त्न वोट के साथ पसंदीदा ठिकानों की सूची में लगातार चौथे साल शीर्ष पर है, पर जापानी कंपनियां भारत में 1400 हैं जबकि थाईलैंड में छह हजार। 11 साल में निवेश का लक्ष्य 3.5 लाख करोड़ येन (2.10 लाख करोड़ रुपये) से बढ़कर 10 लाख करोड़ येन (6 लाख करोड़ रुपये) हो गया, कंपनियों की गिनती नहीं बढ़ी। रकम के वादे काम नहीं आए, इसलिए इस बार सरकार 220 भारतीय उद्योगपतियों को सीधे जापानी कारखानों के दरवाजे पर ले जा रही है। केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल के नेतृत्व वाला यह दल सोमवार से 27 अगस्त तक जापान में रहेगा। रणनीति दौरे के नक्शे से समझ आती है। पैसा टोक्यो में है, पर कारखाना लगाने वाली कंपनियां वहां नहीं हैं। जापान की असली विनिर्माण ताकत आइची और कंसाई की उन हजारों मझोली कंपनियों में है, जो बड़ी कंपनियों को कलपुर्जे देती हैं। कोई जापानी कंपनी जब कहीं जाती है, तो आपूर्तिकर्ताओं का पूरा झुंड साथ ले जाती है। इसीलिए भारत पहली बार इंतजार के बजाय खुद उनके पास गया है। भारतीय दल नागोया में चुकेइरेन व नागोया चैंबर के साथ रोड शो करेगा, ओसाका व क्योटो में क्षेत्रीय उद्योग से जुड़ेगा।

सेमीकंडक्टर, इलेक्ट्रॉनिक्स व एआई पर गोलमेज बैठक : इस कार्यक्रम में मशीन को समझने या जानने पर जोर है। सेमीकंडक्टर, एआई और इलेक्ट्रॉनिक्स पर एक गोलमेज बैठक है, पूंजीगत वस्तुओं, मशीनरी और वाहन उद्योग पर दूसरी। दौरे का मकसद दोतरफा निवेश बढ़ाना है। इसी क्रम में भारतीय कंपनियों का जापान जाना भी अहम है, जहां अभी सिर्फ 100 भारतीय कंपनियां हैं। दल में रिलायंस के औद्योगिक नगर मेट सिटी के प्रमुख हैं, जो जापानी कंपनियों को जमीन बेचते हैं। मारुति सुजुकी है, गुजरात राज्य उर्वरक एवं रसायन है, बीमा व संपत्ति प्रबंधन कंपनियां हैं, जो जापान की सस्ती पेंशन पूंजी की तलाश में हैं, और स्टार्टअप का पूरा जत्था है।

चांद के दक्षिणी ध्रुव में भारत से पिछड़ा चीन कैसे कर रहा बराबरी की कोशिश, क्या है मिशन, कितना अहम

बीजिंग, एजेंसी। चीन जल्द ही चांद के लिए अपना नया चंद्र मिशन लॉन्च करने वाला है। जानकारी के मुताबिक, अपने चांगई-7 मिशन को चीन सोमवार सुबह से लेकर अगले कुछ दिनों में सही मौका देखकर लॉन्च कर सकता है। चीन का यह मिशन इस लिए भी अहम है, क्योंकि इसके जरिए वह चांद के दक्षिणी ध्रुव पर अपना रोवर उतारना चाहता है, जहां सूरज की रोशनी नहीं पहुंचती। मजेदार बात यह है कि भारत करीब तीन साल पहले ही चांद के इस इलाके में अपने रोवर की सफल लैंडिंग कराने वाला पहला देश बन चुका है। यानी चीन जिस रेस में पहले ही पिछड़ चुका है, अब वहां बराबरी की कोशिश में जुटा है।

ऐसे में यह जानना अहम है कि भारत से पिछड़ने के बावजूद चीन का यह मिशन क्यों अहम है क्यों कई देशों की अपने मिशन को चांद

के दक्षिणी ध्रुव पर भेजने की कोशिशें नाकाम हो चुकी हैं अब चीन इस मिशन के जरिए क्या हासिल करना चाहता है भारत फिलहाल दक्षिणी ध्रुव पर रिसर्च के मामले में किस पड़ाव पर है आइये जानते हैं...

चांगई-7 चीन का चांद के लिए तय मानवरहित, रोबोटिक चंद्र मिशन है, जिसे अब तक का सबसे महत्वाकांक्षी और जटिल रोबोटिक मिशन माना जा रहा है। इस मिशन का मुख्य मकसद चांद के दक्षिणी ध्रुव पर मौजूद स्थायी रूप से अंधेरे क्रेटरों (गड्ढों) में बर्फ (पानी) की खोज करना और जमीन पर इनकी मौजूदगी का नक्शा बनाना है। इस मिशन को लॉन्ग मार्च-5 वाई14 रॉकेट के जरिए हेनान प्रांत के वेनचांग स्पेस लॉन्च साइट से प्रक्षेपित किया जाएगा। इसके प्रक्षेपण की संभावित समय-सीमा 24 अगस्त से 31 अगस्त 2026 के बीच की है। यह मिशन चांद के दक्षिणी ध्रुव पर मौजूद शेकलटन क्रेटर के किनारे पर उतरेगा। यह सौर मंडल के सबसे ठंडे स्थानों में से एक है, जहां तापमान -203 डिग्री सेल्सियस तक गिर सकता है। चीन के इस मिशन की खास बात यही है कि मिशन को मुख्यतः चांद की सतह पर पानी की खोज के लिए लॉन्च किया जा रहा है, इसलिए इसमें एक हॉपर भी भेजा जाएगा, जो कि ऐसा समर्पित हॉपर उपयोग करने वाला यह दुनिया का पहला मिशन होगा। अंतरराष्ट्रीय सहयोग- मिशन में विभिन्न देशों और संगठनों के उपकरण भी शामिल हैं। जैसे इटली का लेजर रेट्रोरिफ्लेक्टर, रूस का धूल संसूचक यंत्र, स्विट्जरलैंड का रेडिएशन स्पेक्ट्रोमीटर और हांगकांग विश्वविद्यालय और आईएलओए हुआवे की ओर विकसित एक कॉम्पैक्ट कैमरा आईएलओ-सी शामिल है, जो चंद्रमा की सतह से हमारी आकाशगंगा के गैलेक्टिक प्लेन की तस्वीरें लेगा। भविष्य का रास्ता- यह मिशन चीन के चंद्र अन्वेषण के चौथे चरण का हिस्सा है। यह 2030 तक चंद्रमा पर पहले चीनी मानव लैंडिंग के लिए आधार तैयार कर रहा है।

अमेरिका के जंगल में लगी भीषण आग, हजारों एकड़ इलाका खाक; 42 हजार लोगों को इलाका खाली करने के निर्देश

वॉशिंगटन, एजेंसी। नेवाडा-कैलिफोर्निया बॉर्डर के पास उत्तर-पश्चिमी नेवाडा के शहर रेनो की ओर जंगल की आग तेजी से फैल रही है। अधिकारियों के मुताबिक आग की वजह से कम से कम छह लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि करीब 42,000 लोगों को इलाका छोड़ने का आदेश दिया गया है। सिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, यह आग शनिवार को शुरू हुई थी। अग्निशमन अधिकारियों ने रविवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि आग अब तक 13,000 एकड़ से ज्यादा क्षेत्र में फैल चुकी है। आग अभी तक पूरी तरह नियंत्रण से बाहर है।

आग से छह लोग घायल : अधिकारियों ने कहा कि घायलों में तीन आम नागरिक और तीन आपातकालीन

सेवा कर्मी शामिल हैं। इसके अलावा, लगभग 45,000 लोग ऐसे क्षेत्र में हैं जहां उन्हें किसी भी समय इलाके को खाली करने की चेतावनी दी जा सकती है। अधिकारियों ने यह भी पुष्टि की कि आग में कई इमारतें और ढांचे नष्ट हो चुके हैं। रविवार को वाशो काउंटी में करीब 10,000 बिजली उपभोक्ता बिना बिजली के थे। रेनो, वाशो काउंटी का मुख्य शहर और सबसे अधिक आबादी वाला इलाका है।

तेज हवाओं ने बढ़ाई परेशानी : अधिकारियों के अनुसार, आग का व्यवहार बेहद खतरनाक और असामान्य देखा गया है। तेज हवाओं के कारण आग सूखी और आसानी से जलने वाली वनस्पतियों में बहुत तेजी से फैल रही है। नेवादा के गवर्नर जो लोम्बार्डो ने शनिवार रात वाशो काउंटी में आपातकाल की घोषणा कर दी। लोम्बार्डो ने एक बयान में कहा, यह स्थिति लगातार बदल रही है और बहुत तेजी से विकसित हो रही है। मैं प्रभावित इलाकों में रहने वाले सभी लोगों से सतर्क रहने और स्थानीय अधिकारियों के निर्देशों का पालन करने की अपील करता हूं। राज्य सरकार पूरी तरह सक्रिय है और हम स्थानीय प्रशासन तथा राहतकर्मियों के साथ मिलकर लोगों की जान बचाने, समुदायों की सुरक्षा करने और नागरिकों को खतरे से दूर रखने के लिए हर संभव संसाधन लगा रहे हैं।

पूर्व पीएम इमरान खान की जांच पर सवाल, पीटीआई ने पूछा- एंजियोग्राफी क्यों नहीं हुई शिफा अस्पताल की मांग दोहराई

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) ने पूर्व प्रधानमंत्री और पार्टी संस्थापक इमरान खान की स्वास्थ्य जांच को लेकर सरकार पर सवाल उठाए हैं। पार्टी ने मांग की है कि इमरान खान की ष्ठञ्ज कोरोनरी एंजियोग्राफी शिफा इंटरनेशनल अस्पताल में कराई जाए। पीटीआई ने आरोप लगाया कि पाकिस्तान इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में डॉक्टरों की सलाह के बावजूद यह जांच नहीं कराई गई। पीटीआई के केंद्रीय सूचना सचिव शेख वकास अकरम के मुताबिक, 10 अगस्त को एक सरकारी मेडिकल बोर्ड ने इमरान खान की जांच की थी। इससे पहले के एक हृदय रोग विशेषज्ञ ने 1 अगस्त को उनकी बदलती ब्लड प्रेशर स्थिति, बेचैनी और संभावित हृदय संबंधी जटिलताओं के जोखिम को देखते हुए ष्ठञ्ज कोरोनरी एंजियोग्राफी की सलाह दी थी। अकरम ने कहा कि इमरान की उम्र और लंबे समय से अलगाव में रहने को देखते हुए यह जांच जरूरी मानी गई थी। उनका दावा है कि सरकारी डॉक्टरों ने भी इस जांच को चिकित्सकीय रूप से आवश्यक माना था।

पीटीआई नेता के अनुसार, इमरान खान को ले जाने के बाद भी सुझाई गई जांच नहीं की गई। अस्पताल अधिकारियों ने कथित तौर पर कहा कि इसके लिए जरूरी उपकरण उपलब्ध नहीं था। अकरम ने दावा किया कि अस्पताल के रेडियोलॉजी विभाग में ष्ठञ्ज स्कैनर मौजूद था और वह इस तरह की जांच करने में सक्षम था। उन्होंने कहा कि इस घटना से इमरान को समय पर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने को लेकर चिंताएं और बढ़ गई हैं। पीटीआई ने शिफा अस्पताल में इलाज की मांग क्यों की पीटीआई का कहना है कि शिफा इंटरनेशनल अस्पताल में जरूरी विशेषज्ञ और चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध हैं। पार्टी ने इमरान खान की ष्ठञ्ज कोरोनरी एंजियोग्राफी इसी अस्पताल में स्वतंत्र विशेषज्ञों और उनके निजी डॉक्टरों की निगरानी में कराने की मांग की है। पार्टी ने इमरान के परिवार, निजी मेडिकल टीम और कानूनी सलाहकारों को उनके सभी मेडिकल रिकॉर्ड, रिपोर्ट और जांच के नतीजे उपलब्ध कराने की भी मांग की है।

सुप्रीम कोर्ट ने इमरान को लेकर क्या आदेश दिया था : सुप्रीम कोर्ट ने 18 अगस्त को जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को चिकित्सा जांच और इलाज के लिए दो दिनों के भीतर इस्लामाबाद स्थित शिफा इंटरनेशनल अस्पताल ले जाने का निर्देश दिया था। अदालत ने उनके इलाज के लिए एक विशेष मेडिकल बोर्ड गठित करने को भी कहा था। तीन सदस्यीय पीठ में न्यायमूर्ति शाहिद वहीद, न्यायमूर्ति नईम अख्तर अफगान और न्यायमूर्ति इश्तियाक इब्राहिम शामिल थे। पीठ इमरान के चिकित्सा उपचार, परिवार और वकीलों से मुलाकात समेत उनसे जुड़े कई मामलों की सुनवाई कर रही थी। पीटीआई के मुताबिक, सरकार ने 20 अगस्त को इमरान खान को कुछ समय के लिए पहुंचाया और मेडिकल जांच के बाद उन्हें वापस अदियाला जेल भेज दिया। सरकार ने इसके पीछे सुरक्षा कारणों का हवाला दिया था। विपक्ष ने इस कदम की आलोचना करते हुए इसे सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का उल्लंघन बताया। यह स्पष्ट करने की मांग की है कि इमरान को शिफा इंटरनेशनल के बजाय क्यों ले जाया गया और डॉक्टरों द्वारा सुझाई गई कोरोनरी एंजियोग्राफी क्यों नहीं कराई गई।

ईरान के खिलाफ अमेरिका का 'इकोनॉमिक डी-डे'; तेहरान बोला- नहीं जाने देंगे तेल की एक भी बूंद

तेहरान, एजेंसी। अमेरिकी ट्रेजरी सेक्रेटरी स्कॉट बेसेंट ने रविवार को कहा कि ट्रंप प्रशासन ईरान के खिलाफ अपने अभियान के 'आखिरी चरण' में प्रवेश कर रहा है। उन्होंने ईरान की आर्थिक जीवन-रेखाओं को काटने के मकसद से 'इकोनॉमिक डी-डे' शुरू करने की घोषणा की। बेसेंट के मुताबिक, यह किसी दुश्मन देश के खिलाफ अब तक का सबसे बड़ा वित्तीय हमला होगा। एक्स पर एक पोस्ट में बेसेंट ने कहा, राष्ट्रपति ट्रंप ने ईरान की सैन्य क्षमताओं को खत्म कर दिया है, उसकी लगभग 100 प्रतिशत सैन्य फैक्ट्रियों को नष्ट कर दिया है और उसके परमाणु कार्यक्रम को खत्म कर दिया है। अब हम आखिरी चरण में प्रवेश कर रहे हैं। सुबह एक आर्थिक डी-डे की शुरुआत होगी यह किसी दुश्मन के खिलाफ अब तक का सबसे बड़ा वित्तीय हमला होगा।

'सुरक्षा गारंटी' को लेकर ईरान पर गंभीर आरोप : बेसेंट ने ईरान पर सुरक्षा गारंटी का इस्तेमाल 'वसूली' के तौर पर करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि तेहरान इस धारणा पर टिका हुआ था कि ईरानी जवाबी कार्रवाई तय है, जबकि अमेरिका की सख्ती पर बातचीत की जा सकती है। इस्लामिक रिपब्लिक ने वसूली को सुरक्षा गारंटी का रूप देकर अपना अस्तित्व बनाए रखा है। इसे इस सोच से ताकत मिली है कि ईरानी जवाबी कार्रवाई तो तय है और अमेरिकी सख्ती पर बातचीत की जा सकती है। राष्ट्रपति ट्रंप के कार्यकाल में वह दौर खत्म हो गया है। और जो लोग तेहरान का विरोध करने के खतरे से डरते हैं, उन्हें वॉशिंगटन को आजमाने की कीमत को कम नहीं आंकना चाहिए।

'हर एजेंसी और हर अधिकार का इस्तेमाल होगा' : बेसेंट ने कहा कि ट्रंप ने अमेरिकी सरकार के लिए ईरान के खिलाफ अपनी सभी शक्तियों का इस्तेमाल करने की परिस्थितियां तैयार कर दी हैं। राष्ट्रपति ने हर एजेंसी, हर अधिकार और ऐसी कार्रवाई का

इस्तेमाल करने की परिस्थितियां बना दी हैं, जिनके बारे में कई लोगों को लगता था कि हम कभी उनका इस्तेमाल नहीं करेंगे। हमारा मकसद उस अत्याचारी शासन को बनाए रखने वाली हर आर्थिक जीवन-रेखा को काटना है, ताकि तेहरान अकेला पड़ जाए।

आर्थिक युद्ध जारी रहा तो तेल निर्यात बंद : इस बीच, ईरान की सर्वोच्च राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के सचिव मोहसेन रेज़ाई ने सोमवार को चेतावनी दी कि अगर ईरान के खिलाफ अमेरिका का 'आर्थिक युद्ध' जारी रहता है, तो तेहरान होर्मुज जलडमरूमध्य और फारस की खाड़ी में अन्य जगहों से तेल का पूरा निर्यात रोक सकता है। रेजाई ने एक्स पर एक पोस्ट में यह भी चेतावनी दी कि तेहरान के खिलाफ अमेरिकी आर्थिक अभियान का समर्थन करने या उसमें भाग लेने वाले किसी भी देश के कदम को ईरान 'युद्ध की कार्रवाई' मानेगा। अगर आर्थिक युद्ध जारी रहता है, तो तेल की एक भी बूंद एक्सपोर्ट नहीं की जाएगी न तो होर्मुज जलडमरूमध्य से और न ही फारस की खाड़ी में कहीं से भी। ईरान किसी भी देश की अमेरिका के आर्थिक युद्ध में भागीदारी या समर्थन को जो ईरानी लोगों के खिलाफ है युद्ध की कार्रवाई मानेगा। यह चेतावनी ऐसे समय आई है जब तेहरान और वॉशिंगटन के बीच तनाव लगातार बढ़ रहा है और अमेरिका ईरान पर और सख्त आर्थिक प्रतिबंध लगाने की तैयारी कर रहा है।

घालीबाफ ने अमेरिकी प्रतिबंधों का उड़ाया मजाक : इससे पहले रविवार को ईरानी संसद के स्पीकर मोहम्मद बाघेर घालीबाफ ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से नए आर्थिक प्रतिबंधों की धमकी के बाद अमेरिका पर तंज कसा। उन्होंने व्यंग्यात्मक अंदाज में कहा कि कठोर आर्थिक प्रतिबंधों का असर अंततः उल्टा पड़ सकता है। एक्स पर एक पोस्ट में घालीबाफ ने अल्पकालिक सरकारी उपायों के जरिए गहरे वित्तीय संकट से निपटने की कोशिशों की सीमाओं पर टिप्पणी की और आर्थिक दबाव के असर पर व्यंग्य किया। उन्होंने कहा,मांस की कीमतों को नियंत्रित करने के लिए फ्रोजन मीट का आयात। ठीक है, यह काम कर सकता है। बॉन्ड के लिए क्या योजना है, क्या फ्रोजन यील्ड का आयात करेंगे आवास के लिए फ्रोजन घर खरीदार वेतन के लिए फ्रोजन पेचेक एक फ्रोजन विदेश नीति एक फ्रोजन अर्थव्यवस्था देती है। एकमात्र चीज जो अभी भी चल रही है ईरान का बूमरैंग।

खूबसूरत दिखना हर कोई चाहता है। लोगों की यही चाहत ऐसे बहुत से रोजगार पैदा कर जाती है, जिसकी आमतौर पर सामान्य छात्र कल्पना नहीं करता। कॉस्मेटोलॉजी ऐसा ही क्षेत्र है। इसमें अनेक शाखाएं हैं, जहां भविष्य की संभावनाएं तलाशी जा सकती हैं। आप हेयर स्टाइलिस्ट, शैम्पू टेक्नीशियन, नख प्रसाधक, इस्थेटिशियन, ब्यूटी थेरेपिस्ट, नेल टेक्नीशियन और इलेक्ट्रोलॉजिस्ट तक बन सकते हैं और जॉब के रूप में हजारों तथा खुद का काम करके लाखों कमा सकते हैं।

सौन्दर्य के संसार में खूबसूरत करियर

सुन्दर दिखने की चाहत और उसके लिए तरह-तरह के नुस्खों की आजमाइश जोरों पर है। इसके लिए बाजार में सौन्दर्य प्रसाधनों व लाइफ स्टाइल के उत्पादों की बाढ़ सी आ गई है। शेविंग क्रीम हो या टूथ पेस्ट, फेस क्रीम, स्क्रीन क्रीम या फिर शैम्पू, साबुन और तेल-ये सभी आम जीवन की जरूरतों में शामिल हैं। बाजार में रोजमर्रा की मांग ने इस क्षेत्र में रोजगार के अवसर भी खूब पैदा किए हैं। कॉस्मेटोलॉजी का कोर्स इन अवसरों के बीच ही ले जाता है। इसकी मांग को देखते हुए दिल्ली विश्वविद्यालय में भी इस कोर्स को करवाया जा रहा है।

कॉस्मेटोलॉजी के रंग

इस कोर्स में छात्रों को पहले कॉस्मेटोलॉजी की विभिन्न ब्रांच और उसके विविध रूपों की जानकारी दी जाती है। ये ब्रांच हैं हेयर स्टाइलिस्ट, शैम्पू टेक्नीशियन, नख प्रसाधक, इस्थेटिशियन, ब्यूटी थेरेपिस्ट, नेल टेक्नीशियन और इलेक्ट्रोलॉजिस्ट। इसके बाद इन क्षेत्रों में काम आने वाले विभिन्न प्रोडक्ट्स के निर्माण के बारे में बताया जाता है। मसलन शेविंग क्रीम, टूथ ब्रश, पेस्ट, फेस क्रीम, सन्सक्रीम, नेल पॉलिश आदि। कोर्स से जुड़े विशेषज्ञों की मानें तो लाइफ स्टाइल और सौन्दर्य प्रसाधन से जुड़े जितने भी प्रोडक्ट प्रचलन में हैं, चाहे वे त्वचा संबंधी हों या आंख, नाक, कान, बाल, मुंह या शरीर के किसी और अंग से, इन सबके बारे में इस कोर्स में बताया जाता है। हेयर स्टाइलिस्ट को बालों के विभिन्न रूप, उनकी कटिंग और उनमें काम आने वाले कैमिकल्स की जानकारी दी जाती है। बालों को सुंदर बनाने की कला से भी रूबरू कराया जाता है।

शैम्पू टेक्नीशियन को आमतौर पर शैम्पू बनाने की विधियां, उसमें इस्तेमाल होने वाले रसायन और उसके इस्तेमाल की तरकीबें बताई जाती हैं। नख प्रसाधन के क्षेत्र में हाथ और पैर को सुन्दर बनाने वाली पॉलिश और क्रीम आदि के बारे में बताया जाता है। साथ ही देखभाल के बारे में जानकारी दी जाती है।

इस्थेटिशियन को आमतौर पर त्वचा की देखभाल की कला सिखाई जाती है। उसे नई तकनीक के इस्तेमाल से अंग लेपन, फेशियल मसाज आदि से अवगत कराया जाता है। इसमें दक्ष इस्थेटिशियन चाहे तो स्वतंत्र रूप से सैलून या स्पा में काम कर सकता है। वह चाहे तो किसी डॉक्टर को इस क्षेत्र की प्रैक्टिस में सहायता भी प्रदान कर सकता है। इस्थेटिशियन को त्वचा की देखभाल संबंधी उत्पाद की जानकारी के साथ-साथ उसके नफे-नुकसान के बारे में बताया जाता है। त्वचा की पूरी तरह से देखभाल के कारण इसे स्किन केयर थेरेपिस्ट भी कहा जाता है।

ब्यूटी थेरेपिस्ट को मशीन द्वारा बालों को हटाना, आंखों की पुतलियां सजाना, ठीक करना जैसी चीजों के बारे में दक्ष बनाया जाता है। इलेक्ट्रोलॉजिस्ट को इलेक्ट्रोलिसिस का इस्तेमाल करना सिखाया जाता है। विद्युत तरंगों से लैस मशीन से बाल को उखाड़ना या उसे उगाना जैसे काम इसमें बखूबी किए जाते हैं। कोर्स में छात्रों को सामान्य मेडिसिन की जानकारी भी दी जाती है। हालांकि डॉक्टर की तरह इलाज करना उसका काम नहीं होता। उसे सौन्दर्य प्रसाधन से जुड़े प्रोडक्ट्स का क्या-क्या असर होगा, यह भी पढ़ाया जाता है। मोटापा बढ़ने पर वजन कम करने और आकर्षक लुक व सुडौल शरीर कैसे बने, इसका भी ज्ञान दिया जाता है। यही नहीं, उसे मानव साइकोलॉजी का भी पाठ पढ़ाया जाता है। कोर्स में एनेलिटिकल कैमिस्ट्री का भी पाठ शामिल है।

दाखिले की प्रक्रिया

दाखिले के लिए कहीं 12वीं पास तो कहीं बीएससी या स्नातक की मांग की जाती है। कैमिस्ट्री की पढ़ाई करने वालों के लिए यह और फायदेमंद हो जाता है। यह कोर्स सरकारी और गैर-सरकारी, दोनों तरह के संस्थानों में चल रहे हैं।

रोजगार कहां

कोर्स को करने के बाद छात्र चाहे तो खुद बॉडी केयर सेंटर खोल सकते हैं। दिल्ली जैसे शहर में इस तरह के सेंटर से लोग प्रति माह हजारों रुपए कमा रहे हैं। आप ब्यूटीशियन के लिए बतौर कंसलटेंट काम कर सकते हैं। कॉस्मेटिक प्रोडक्ट बनाने वाली कंपनियों में भी काफी अवसर हैं। छात्र चाहे तो कॉस्मेटिक निर्माण की यूनिट भी लगा सकता है। जहां तक आय का सवाल है, कोई चाहे तो किसी के यहां काम करके 20 से 30 हजार रुपए भी कमा सकता है और स्वरोजगार में लाख, दो लाख रुपए महीना भी।

क्या कहता है आपका एप्टीट्यूड

विषय अनेक और करियर भी अनेक, इतने कि किसे चुनें, किसे नहीं। इसी ऊहापोह में छात्र भटक कर रह जाते हैं। अपनी दुविधा लेकर काउंसलरों के पास आने वाले छात्रों के आंकड़े बताते हैं कि हाल-फिलहाल में छात्रों में यह असमंजस की स्थिति कहीं ज्यादा बढ़ी है। आपके इस असमंजस को सही दिशा दे सकता है एप्टीट्यूड टैस्ट। किस-किस तरह के हैं ये एप्टीट्यूड टैस्ट?

अमोल संगीतज्ञ बनना चाहता है, लेकिन उसके माता-पिता उसे इंजीनियर के रूप में देखना चाहते हैं। पिता और अमोल के बीच करियर के चुनाव को लेकर काफी दिन तक खींचतान चलती रही। घर में इस कलह को दूर करने के लिए उसे काउंसलरों ने एप्टीट्यूड टैस्ट कराने की सलाह दी। अमोल के एप्टीट्यूड टैस्ट के बाद ही यह पता लगाया गया कि वह एक सफल संगीतज्ञ बन सकता है। टैस्ट में उसमें क्रिएटिव इनोवेशन के लक्षण ज्यादा पाए गये। इस क्षेत्र में उसकी विशेष रुचि भी देखी गई। अमोल अकेला ऐसा छात्र नहीं। उसकी तरह कई और भी छात्र हैं, जिनके जीवन को सही दिशा देने के लिए माता-पिता अब एप्टीट्यूड टैस्ट कराने लगे हैं। किसी व्यक्ति की क्षमता का आकलन एप्टीट्यूड टैस्ट से ही हो पाता है। उसमें इंजीनियर बनने की क्षमता है या ड्राइवर या कलाकार, इसे पता लगाने का सटीक उपाय है एप्टीट्यूड टैस्ट। दिल्ली विश्वविद्यालय में मनोविज्ञान के प्रो. एनके चड्ढा कहते हैं, करियर का सही चुनाव और उसमें मौजूद क्षमता के आकलन के लिए एप्टीट्यूड के साथ बच्चे की रुचि भी देखी जाती है। ऐसा करने पर करियर के चुनाव में खासी मदद मिलती है। एप्टीट्यूड और इंटरेस्ट, दोनों एक-दूसरे के साथ जुड़े हैं और साथ-साथ चलते हैं। अगर एक है और दूसरा नहीं तो करियर को सही दिशा नहीं मिलती।

काउंसलर गीतांजलि कुमार करियर और जीवन को सही दिशा देने में एप्टीट्यूड और इंटरेस्ट के साथ व्यक्ति के व्यक्तित्व और शारीरिक क्षमता को भी एक कड़ी मानती हैं। वह कहती हैं, इन सबको मिला कर ही किसी को करियर या जीवन में कोई राह चुनने की सलाह दी जाती है। अगर किसी में किसी कार्य के प्रति एप्टीट्यूड है, पर रुचि या करने की इच्छा नहीं तो उस दिशा में भेजना बेकार है। इसी तरह पहली दोनों चीजें हैं, लेकिन शारीरिक क्षमता या व्यक्तित्व नहीं तो ऐसे करियर के चुनाव की सलाह देना बेकार है। वह कहती हैं, व्यक्तित्व भी पॉजिटिव मोटिव देता है, इसलिए तीनों को देखना जरूरी है।

क्यों है जरूरी

एप्टीट्यूड टैस्ट ही किसी छात्र या व्यक्ति के करियर और काम की दिशा बताता है। उसकी क्षमता और रुचि को बताता है। इसके बाद उसे सही प्रोफेशन चुनने की सलाह दी जाती है। विशेषज्ञों के मुताबिक अगर ऐसा नहीं होता तो अमुक व्यक्ति में आगे चल कर कुंठा का जन्म होता है। वह काम को एन्जॉय नहीं कर पाता। ऐसी स्थिति में उसके अंदर नकारात्मक सोच हावी हो जाती है। वह विध्वंसात्मक दिमाग का हो जाता है। उसमें पहचान का संकट भी पैदा होने लगता है। एप्टीट्यूड, रुचि और व्यक्तित्व के हिसाब से काम नहीं मिलने पर वह अपने पेशे में उतना सक्षम साबित नहीं होता, जितना दूसरे लोग। ऐसे में वह दूसरों को नीचा दिखाने के लिए कई बार उलटे-सीधे हथकंडे भी अपनाता है। सफलता नहीं मिलने पर वह कई बार अवसाद की स्थिति में आ जाता है और आत्महत्या को मजबूर हो जाता है, इसलिए शिक्षण संस्थानों को सरकार ने बच्चों के करियर की दिशा तैयार करने को कहा है। शिक्षण संस्थाओं में करियर एंड काउंसलिंग सेंटर आए दिन इसी वजह से खोले जा रहे हैं। यह हर संस्थान और काम की जगह की जरूरत बनती जा रही है। प्रो. चड्ढा कहते हैं, भारत में इस तरह की समस्याओं के लिए निजी प्रैक्टिशनर की ओर से जगह-जगह नगरों व महानगरों में काउंसलिंग सेंटर खुल गए हैं, लेकिन इसे चलाने वाले लोग आमतौर पर क्वालिफाइड नहीं होते। काउंसलिंग के लिए कौन सा व्यक्ति उपयुक्त है या नहीं, इसके लिए नेशनल एजेंसी बनी है। वह क्वालिफिकेशन तय करती है। गाइडलाइंस भी तैयार किए हैं।

एप्टीट्यूड टैस्ट के रूप-रंग

लॉजिकल रीजनिंग- एप्टीट्यूड टैस्ट के कई आयाम हैं, जिनमें एक है लॉजिकल रीजनिंग। इसके तहत कार्य-कारण संबंध पर जोर होता है। किसी व्यक्ति में मानसिक स्तर पर कैलकुलेशन की क्षमता कितनी है, इसका आकलन लॉजिकल रीजनिंग के माध्यम से किया जाता है। अगर वह लॉजिकल रीजनिंग में ज्यादा स्कोर करता है तो इससे पता चलता है कि वह कायदे-कानून में रह कर कठिन से कठिन समस्याओं को हल कर सकता है। इस क्षमता से लैस युवा मैनेजर, वैज्ञानिक और व्हाइट कॉलर जॉब में जाने के उपयुक्त होते हैं।

एब्सट्रेक्ट रीजनिंग - इसके तहत खरा उतरने वाला युवा बिखरी हुई चीजों को एकत्रित करके प्लान के साथ काम करने में विशेष हुनर रखता है। इसमें एप्टीट्यूड किस तरफ जा रहा है, उसकी दिशा क्या है, वह एक एरिया से दूसरे एरिया में लिंक कर रहा है या नहीं, यह भी देखा जाता है। सिविल और इलेक्ट्रॉनिक इंजीनियरिंग में बेहतर करने वाले युवाओं में एब्सट्रेक्ट रीजनिंग हल करने की क्षमता ज्यादा पाई जाती है।

न्यूमेरिकल रीजनिंग - यह किसी व्यक्ति की गणितीय क्षमता की जानकारी देता है। वह गुणा-भाग करने और सांख्यिकीय सवालों को हल करने की कितनी क्षमता रखता है, इसका आकलन इसके द्वारा किया जाता है। इसे देख कर ही उसे इस विषय या क्षेत्र से जुड़े करियर में जाने की सलाह दी जाती है। मसलन सीए, गणितज्ञ और लेखाकार आदि बनने के लिए न्यूमेरिकल रीजनिंग में बेहतर होना चाहिए।

आई-हैंड कोऑर्डिनेशन - आमतौर टेक्निकल काम मसलन ड्राइविंग हो, पायलट या फिर किसी मशीन को चलाने के लिए मशीनमैन हो, उसमें यह एप्टीट्यूड जरूर होना चाहिए। इसमें कोई व्यक्ति हाथ, पैर व आंख को काम करते वक्त कितना केन्द्रित कर पाता है, यह देखा जाता है। ऐसा व्यक्ति दुर्घटनाओं को कम करने में काफी मददगार साबित होता है। ड्राइवर, पायलट, मशीनमैन और मैकेनिकल जॉब के लिए यह एप्टीट्यूड बढ़िया माना जाता है।

क्रिएटिव इनोवेशन - इसमें किसी व्यक्ति की रचनात्मक क्षमता का आकलन किया जाता है। उसमें कलात्मक रुझान व रुचि का पता लगाया जाता है। आमतौर पर व्हाइट कॉलर जॉब में इस तरह के लोगों की जरूरत पड़ती है। इसके तहत यह भी देखा जाता है कि वह निर्णय कितना शीघ्र और सही रूप में लेता है। उसमें फ्लेक्सिबिलिटी भी होनी चाहिए। कोई व्यक्ति स्वभाव में अड़ियल तो नहीं है। अगर उसमें फ्लेक्सिबिलिटी का स्तर बेहतर है तो उसे उच्चतम पदों की जिम्मेदारी दी जाती है। इसमें उसके अंदर बड़प्पन कितना है, इसका आकलन भी किया जाता है। एप्टीट्यूड टैस्ट में ओरिजनेलिटी और मौलिकता को भी देखा जाता है। ऐसे चंद ही व्यक्ति होते हैं, जो अलग किस्म के आइडिया से लैस होते हैं। इस टैस्ट में ओरिजनल आइडिया को देखा व समझा जाता है। इसे बहुविध सोच के रूप में भी देखा जाता है। यह गुण जिसमें है, उसमें अध्यापक, लेखक, अभिनेता, संगीतज्ञ और आविष्कारक बनने की क्षमता होती है।

प्रोफेशनल लाइफ में रख रहे हैं कदम अपनाएं ये टिप्स

कॉलेज लाइफ को अलविदा कहकर प्रोफेशनल वर्ल्ड में कदम रखने कम चुनौतीपूर्ण नहीं हैं। कई युवाओं के लिए कॉलेज ग्रेजुएशन पूरा होने और अपने पहले जॉब की शुरुआत काफी तनावपूर्ण होती है। कॉलेज पूरा करने के बाद आपको जॉब हंटिंग, इंटरव्यू देना होता है और वास्तविकता का सामना करना इतना आसान नहीं है। कॉलेज स्टूडेंट से एक प्रोडक्टिव एम्प्लॉई बनने का यह ट्रांजिशन सफल बनाने के लिए कुछ बातों को समझना जरूरी है। इन मुद्दों को समझकर और उनके लिए तैयार रहकर इस बदलाव को आसान बना सकते हैं।

कॉलेज जाने और नौकरी पर जाने में बहुत फर्क है। आप जॉब में बंक नहीं मार सकते। आप पैसे देकर ट्यूशन नहीं ले रहे बल्कि आपको पे किया जा रहा है। इसलिए ट्यूशन की तरह मन न होने पर आप काम पर नहीं जाने का मन नहीं बना सकते। आपको नौकरी में आठ घंटे तो काम करना ही पड़ता है।

कॉलेज का समय प्रयोग का समय होता है। हम यहां थोड़ा गैर जिम्मेदार हुए तो चलेगा लेकिन प्रोफेशनल लाइफ में ऐसा नहीं है। कॉलेज में गैर जिम्मेदार होने का मतलब खराब ग्रेड लेकिन वर्कप्लेस पर अनप्रोफेशनल होना मतलब आपके नौकरी की छुट्टी। प्रोफेशनल का मतलब ही सेल्फ-स्टार्टर होता है। कॉलेज से ज्यादा डेडलाइन का सामना आपको प्रोफेशनल वर्ल्ड में करना होगा।

ग्रेजुएशन या पोस्ट ग्रेजुएशन के बाद आपके दिमाग में अपना स्पष्ट करियर पाथ होना चाहिए लेकिन अगर आपका पहला जॉब अपनी योजना से मेल नहीं खाता है तो घबराइए नहीं।

कॉलेज छोड़ने और प्रोफेशनल दुनिया में कदम रखने में बहुत चीजें बदलती है। हां, अगर आप दोपहर तक सोते रहते हैं या देर रात फिल्में देखते हैं तो यह सब आपको बंद करना पड़ेगा। आपकी डाइट भी बदलेगी। लाइफस्टाइल के बदलावों के लिए तैयार रहें।

कॉलेज लाइफ खत्म होने का मतलब नहीं कि आपकी लाइफ से फन गायब हो गया। आप अभी भी ट्रेवल कर सकते हैं, दोस्तों के साथ समय बिता सकते हैं और नए व रोमांचक चीजें सीख सकते हैं। इस समय आपको देखना होगा कि किस तरह से मनोरंजन करें ताकि आप अपनी जॉब की जिम्मेदारी भी अच्छे से निभा पाएं।

सीआईएमएस ईयूए एवं यूआईएचएमटी और गढ़वाल राइफल्स के बीच हुआ एमओयू

जयन्त प्रतिनिधि। लैंसडौन : गढ़वाल राइफल्स रेजिमेंटल सेंटर, लैंसडौन में युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों से जागरूक करने, उन्हें नशामुक्त जीवन के लिए प्रेरित करने तथा शिक्षा एवं युवा सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 'सजग इंडिया अभियान' के अंतर्गत 'मिशन एजुकेशन सुपर 300' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सीआईएमएस ईयूए एवं यूआईएचएमटी ग्रुप ऑफ कॉलेज, देहरादून तथा गढ़वाल राइफल्स रेजिमेंटल सेंटर के बीच 'मिशन एजुकेशन-सुपर 300' के अंतर्गत समझौता ज्ञापन (एमओयू) हस्ताक्षर किया गया।

'सजग इंडिया' अभियान के माध्यम से युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने, उन्हें नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित करने तथा समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करने हेतु प्रोत्साहित किया जा रहा है। इस अभियान के अंतर्गत अब तक 1,500 से अधिक विद्यालयों में पहुंचकर लगभग 8 लाख युवाओं से संवाद किया जा चुका है, जो अभियान की व्यापक पहुंच और प्रभाव को दर्शाता है। इसी क्रम में 'मिशन एजुकेशन सुपर 300' के माध्यम से आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों, आपदा प्रभावित परिवारों तथा जरूरतमंद विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में सराहनीय प्रयास किया जा रहा है। कार्यक्रम में सजग इंडिया टीम द्वारा गढ़वाल राइफल्स रेजिमेंटल सेंटर तथा जी.आर.एस. कैंप, कोटद्वार में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे अग्निवीरों के साथ-साथ आर्मी पब्लिक स्कूल, केंद्रीय विद्यालय, कैंटोनमेंट बोर्ड एवं जयहरीखाल इंटर कॉलेज के विद्यार्थियों को नशामुक्ति, एंटी-ड्रग्स एवं युवा जागरूकता से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई।

कार्यक्रम में सीआईएमएस ईयूए एवं यूआईएचएमटी ग्रुप ऑफ कॉलेज, देहरादून तथा गढ़वाल राइफल्स रेजिमेंटल सेंटर के बीच 'मिशन एजुकेशन-सुपर 300' के अंतर्गत समझौता ज्ञापन (एमओयू) हस्ताक्षर किया गया। इस पहल का मुख्य उद्देश्य गढ़वाल राइफल्स के आश्रितों को गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा के बेहतर अवसर उपलब्ध कराना है। इसके अंतर्गत सेवारत एवं सेवानिवृत्त सैनिकों, दिव्यांग सैनिकों, बैटल कैजुअल्टी, अग्निवीरों तथा सेवा के दौरान वीरगति प्राप्त सैनिकों के बच्चों और वीर नारियों के आश्रितों को उच्च शिक्षा के लिए शैक्षणिक सहायता एवं छात्रवृत्ति उपलब्ध कराने का प्रयास किया जायेगा। इस अवसर पर मुख्य अतिथि ब्रिगेडियर विनोद सिंह नेगी, विशिष्ट सेवा मेडल, कमांडेंट, गढ़वाल राइफल्स रेजिमेंटल सेंटर, श्रीमती रेखा नेगी चेयरपर्सन, परिवार कल्याण संगठन, एडवोकेट ललित जोशी, सदस्य, राज्य मानसिक स्वास्थ्य प्राधिकरण, उत्तराखंड तथा चेयरमैन, सी.आई.एम एस और ग्रुप ऑफ कॉलेज, देहरादून आदि मौजूद थे।

ओरिएंटेशन एवं करियर काउंसलिंग कार्यक्रम का आयोजन

जयन्त प्रतिनिधि, कोटद्वार। डॉ पीतांबर दत्त बड़थ्वाल वाणिज्य विभाग और पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के संयुक्त तत्वाधान में ओरिएंटेशन एवं करियर काउंसलिंग कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ वाणिज्य विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. प्रीति रानी ने किया उन्होंने अपने उद्बोधन में कॉलेज में संचालित विभिन्न कार्यक्रमों तथा कॉलेज में संचालित समस्त गतिविधियों के बारे में विस्तार से बताया। वाणिज्य विभाग और पत्रकारिता एवं जनसंचार की विभागाध्यक्ष प्रो. ज्योति खरे ने नई शिक्षा नीति की जानकारी देते हुए विभिन्न विषयों एवं पाठ्यक्रमों में विस्तार से प्रकाश डाला। तत्पश्चात वाणिज्य विभाग की प्राध्यापिका डॉ.अंशिका बंसल ने विद्यार्थियों को विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं और करियर विकल्पों की जानकारी दी ।

वाणिज्य विभाग के प्राध्यापक डॉ.गणेश चंद्र ने विद्यार्थियों को डिग्री के साथ-साथ स्किल्स और नॉलेज पर विशेष ध्यान देने के लिए प्रेरित किया।

इसी कार्यक्रम मे पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के प्राध्यापक श्री चक्रधर कंडवाल ने पत्रकारिता एवं जनसंचार से संबंधित करियर विकल्पों से विद्यार्थियों को अवगत कराया। अंत में पत्रकारिता एवं जनसंचार के प्राध्यापक श्री अरविंद दुदपुड़ी ने सभी अध्यापकों एवं छात्र-छात्राओं का धन्यवाद ज्ञापन किया। कार्यक्रम का सफल संचालन वाणिज्य विभाग के डॉ.रविंद्र कुमार ने किया । इस अवसर पर वाणिज्य एवं जनसंचार विभाग के सभी छात्र-छात्राओं ने सहभागिता की।

संक्षिप्त समाचार

खाटल क्षेत्र में मोबाइल टावर काम नहीं कर रहा

नौगांव (उत्तरकाशी)। खाटल पट्टी के देवल गांव में स्थापित बीएसएनएल का मोबाइल टावर क्षेत्र के 11 गांवों के लिए परेशानी का कारण बना हुआ है। टावर के बार-बार खराब होने और मोबाइल कनेक्टिविटी गायब रहने से ग्रामीणों में भारत संचार निगम लिमिटेड के खिलाफ आक्रोश बढ़ता जा रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि लंबे समय से संचार व्यवस्था प्रभावित बनी है। शिकायत के बावजूद संचार निगम कोई कार्रवाई नहीं कर रहा। देवल का यह टावर खाटल पट्टी के 11 गांवों की मोबाइल कनेक्टिविटी का प्रमुख माध्यम है। क्षेत्र में अन्य कंपनियों के मोबाइल टावर नहीं होने के कारण ग्रामीण बीएसएनएल की सेवाओं पर निर्भर हैं। ऐसे में नेटवर्क बाधित होने से लोगों को फोन कॉल, ऑनलाइन कार्य और जरूरी सूचनाओं के आदान-प्रदान में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। नेटवर्क समस्या का सीधा असर छात्र-छात्राओं की पढ़ाई पर भी पड़ रहा है। कनेक्टिविटी नहीं होने के कारण विद्यार्थी ऑनलाइन कक्षाओं और अन्य शैक्षणिक गतिविधियों से जुड़ नहीं पा रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि बीएसएनएल अधिकारियों को कई बार इस बारे में बताया जा चुका है, लेकिन सेवा में कोई सुधार नहीं हुआ।

नैटवाड़ में आठवें दिन महिलाओं ने संभाला आंदोलन का मोर्चा

पुरोला। मोरी सतलुज जल विद्युत परियोजना से जुड़ी लंबित मांगों को लेकर नैटवाड़ बैराज स्थल पर ग्रामीणों का धरना आठवें दिन भी जारी रहा। आंदोलन के बीच मंगलवार को महिलाओं की बड़ी भागीदारी रही। महिलाओं ने बैराज स्थल पर पहुंचकर धरने की कमान संभाली और परियोजना प्रबंधन व प्रशासन के खिलाफ अपना आक्रोश जताया। आंदोलन का मुख्य मुद्दा बैराज निर्माण के लिए अधिग्रहित कृषि भूमि का लंबित मुआवजा है। ग्रामीणों के अनुसार परियोजना निर्माण के दौरान नैटवाड़ के किसानों की करीब 27 हेक्टेयर कृषि भूमि अधिग्रहित की गई थी, लेकिन वर्षों बाद भी प्रभावितों को भूमि का पूरा मुआवजा नहीं मिल पाया है। इसके अलावा टौंस नदी के पार स्थित कृषि भूमि तक पहुंच के लिए पुल निर्माण, खेती की सुरक्षा के लिए सुरक्षात्मक कार्य और चरान-चुगान पर लगाए गए प्रतिबंध हटाने की मांग भी लंबित है।

महिला पर्यावरण मित्रों ने महापौर को बांधा रक्षा सूत्र

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : नगर निगम कोटद्वार की महिला पर्यावरण मित्रों ने बदरीनाथ मार्ग स्थित नगर निगम प्रेक्षागृह में आयोजित 'रक्षा सूत्र' कार्यक्रम में महापौर शैलेंद्र सिंह रावत को रक्षा सूत्र बांधा। इस दौरान महापौर ने महिला पर्यावरण मित्रों सहित निगम के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों से कोटद्वार शहर को स्वच्छ, सुंदर एवं बेहतर बनाने में सक्रिय योगदान देने का आह्वान किया।

महापौर शैलेंद्र सिंह रावत ने कहा कि रक्षाबंधन केवल भाई-बहन के स्नेह और सुरक्षा का पर्व नहीं है, बल्कि यह सम्मान, विश्वास, अपनत्व और सामाजिक समरसता का भी प्रतीक है। नगर की स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण में महिला पर्यावरण मित्रों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि अपने परिश्रम और समर्पण से शहर को स्वच्छ रखने में जुटी इन बहनों के योगदान को सम्मान देना पूरे नगर की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि 'रक्षा सूत्र' कार्यक्रम के माध्यम से नगर निगम परिवार में एक नई परंपरा की शुरुआत की गई है। इसका उद्देश्य निगम में कार्यरत बहनों के श्रम, समर्पण और योगदान को सम्मान देना है। यह पहल आपसी स्नेह, सम्मान और सामाजिक जुड़ाव को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। महापौर ने निगम के अधिकारियों और कर्मचारियों से शहर को स्वच्छ एवं सुंदर बनाने के लिए सामूहिक प्रयास करने की अपील की। उन्होंने कहा कि स्वच्छता के प्रति आमजन को अधिक से अधिक जागरूक करना सभी की पहली प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि केवल नगर निगम के प्रयासों से शहर को पूरी तरह स्वच्छ नहीं बनाया जा सकता, इसके लिए आम नागरिकों की भागीदारी भी जरूरी है। कार्यक्रम के दौरान महिला पर्यावरण मित्रों एवं नगर निगम में कार्यरत अन्य बहनों में उत्साह और आत्मीयता का माहौल रहा। महिला पर्यावरण मित्रों ने 'रक्षा सूत्र' जैसी पहल के लिए महापौर एवं नगर निगम का आभार व्यक्त करते हुए इसे सम्मान और अपनत्व से जुड़ा सराहनीय प्रयास बताया। इस अवसर पर नगर निगम के समस्त पार्षद, अधिकारी-कर्मचारी एवं महिला पर्यावरण मित्र मौजूद रहीं। कार्यक्रम के माध्यम से स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक समरसता के प्रति सामूहिक जिम्मेदारी का संदेश दिया गया।

छात्रों ने कोतवाली में किया प्रदर्शन, एएसपी के आश्वासन पर माने

श्रीनगर गढ़वाल : पौड़ी अड्डे के समीप देर रात दो दोपहिया वाहनों की टक्कर के बाद शुरू हुआ विवाद मंगलवार सुबह भी नहीं थमा। पुलिस पर अभद्रता और छात्र के साथ मारपीट का आरोप लगाते हुए छात्र संघ पदाधिकारी, एबीवीपी कार्यकर्ताओं सहित विभिन्न छात्र संगठनों से जुड़े छात्र बड़ी संख्या में श्रीनगर कोतवाली पहुंचे। रातभर छात्रों ने कोतवाली परिसर में पुलिस प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की व सीओ के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। कार्रवाई न होने तक छात्र कोतवाली में ही डटे रहे। मंगलवार दोपहर को एडिशनल एसपी के आश्वासन पर छात्र माने।

पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष जसवंत राणा के अनुसार सोमवार देर रात करीब साढ़े बारह बजे वह श्रीनगर से जा रहे थे। पौड़ी अड्डे के समीप बाइक और स्कूटी की टक्कर होने पर वह मदद के लिए मौके पर पहुंचे। उनका आरोप है कि कुछ देर बाद पहुंची पुलिस टीम में शामिल सीओ ने एक छात्र को थप्पड़ मार दिया। विरोध करने पर उनके साथ अभद्रता की गई। इसके बाद छात्र संघ से जुड़े पदाधिकारी और छात्र रात में ही कोतवाली पहुंच गए और पूरी रात वहां डटे रहे। मंगलवार सुबह बिड़ला परिसर के विभिन्न छात्र संगठनों के छात्र बड़ी संख्या में कोतवाली पहुंचे और पुलिस प्रशासन के खिलाफ प्रदर्शन कर नारेबाजी किया और करीब दो घंटे तक धरना दिया। प्रभारी निरीक्षक कुलदीप सिंह ने छात्रों से वार्ता कर मामले में उचित कार्रवाई का भरोसा दिलाया, लेकिन छात्र उच्च अधिकारियों से वार्ता और सीओ के खिलाफ कार्रवाई की मांग पर अड़े रहे।

कालाबाजारी, जमाखोरी और मुनाफाखोरी के खिलाफ होगी सख्त कार्रवाई

आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता और बाजार मूल्यों की नियमित निगरानी करें अधिकारी

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शासन के वरिष्ठ अधिकारियों को प्रदेश में आवश्यक वस्तुओं के मूल्यों पर प्रभावी नियंत्रण बनाए रखने तथा आम जनता को उचित दरों पर आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि कालाबाजारी, जमाखोरी और मुनाफाखोरी के माध्यम से कृत्रिम रूप से कीमतें बढ़ाने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग सहित संबंधित विभाग बाजार में आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता एवं उनके मूल्यों की नियमित निगरानी करें। यह सुनिश्चित किया जाए कि किसी भी स्तर पर आवश्यक वस्तुओं की कृत्रिम कमी पैदा कर आम जनता से अधिक मूल्य न वसूला जाए। उन्होंने कहा कि बाजार में मांग और आपूर्ति की स्थिति पर भी लगातार नजर रखी जाए तथा आवश्यकता के अनुसार समयबद्ध और प्रभावी कदम उठाए जाएं। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि सभी जनपदों में प्रशासन द्वारा नियमित रूप से बाजारों का निरीक्षण किया जाए। आवश्यक वस्तुओं के निर्धारित एवं प्रचलित बाजार मूल्यों की जांच के साथ ही स्टॉक की स्थिति पर भी नजर रखी जाए। कालाबाजारी, जमाखोरी अथवा निर्धारित मानकों का उल्लंघन पाए जाने पर संबंधित के विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार आम जनता के हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। आवश्यक वस्तुओं के मूल्यों में अनावश्यक वृद्धि का सीधा प्रभाव आम नागरिकों के घरेलू बजट पर पड़ता है, इसलिए मूल्य नियंत्रण से संबंधित सभी व्यवस्थाएं प्रभावी और पारदर्शी होनी चाहिए। उन्होंने शासन और जिला प्रशासन के अधिकारियों को आपसी समन्वय से कार्य करते हुए बाजार की स्थिति पर सतत निगरानी रखने तथा किसी भी प्रकार की अनियमितता की शिकायत मिलने पर तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

विधिक जागरूकता शिविर में लोगों को नशे से दूर रहने की दी सलाह

जयन्त प्रतिनिधि। सतपुली : तहसील परिसर सतपुली में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान लोगों को नालसा, सालसा एवं डालसा की ओर से संचालित विधिक सेवाओं एवं आमजन को मिलने वाली निःशुल्क कानूनी सहायता के संबंध में जानकारी दी गई। साथ ही स्थायी लोक अदालत तथा आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत 12 सितंबर के बारे में भी लोगों को विस्तार से बताया गया। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी रेखा आर्य ने लोगों को नशे से दूर रहने की अपील करते हुए नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया। उन्होंने बारिश के मौसम में आपदा के प्रति सजग रहने और बिना आवश्यक कारण घर से बाहर नहीं निकलने की सलाह दी। साथ ही साइबर क्राइम से बचाव के लिए भी लोगों को सतर्क रहने तथा किसी अनजान व्यक्ति के साथ अपनी निजी जानकारी, ओटीपी एवं बैंक संबंधी जानकारी साझा न करने की अपील की। थाना प्रभारी सतपुली दिनेश कुमार ने बाल अपराध, मोटर वाहन अधिनियम (एमवी एक्ट) तथा नशीली दवाओं के दुष्प्रभावों के संबंध में जानकारी दी। उन्होंने लोगों से कानून का पालन करने और बच्चों को अपराध एवं नशे से दूर रखने का आह्वान किया। इस दौरान ग्रामीणों एवं स्थानीय लोगों की विभिन्न समस्याएं भी सुनी गईं। लोगों ने बिजली, पानी और सड़क से जुड़ी समस्याएं अधिकारियों के समक्ष रखीं। सरकारी अस्पताल सतपुली में पानी की समस्या, चमोलीसैंण में रास्ते की समस्या तथा पीडब्ल्यूडी विभाग से संबंधित अन्य समस्याएं भी सामने आईं। समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए उप जिलाधिकारी रेखा आर्य ने संबंधित विभागीय अधिकारियों से फोन पर संपर्क कर समस्याओं के निस्तारण के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिए। शिविर में सिविल जज सतपुली सोनिया, पीएलवी पुष्पेन्द्र राणा, देवेंद्र रावत, कृष्णा बौठियाल, मालिक राज डोबरियाल, अरविंद निराला, इंद्र सिंह नेगी, ग्राम प्रधान नौगांव कमंदा सहित बड़ी संख्या में महिला एवं पुरुष मौजूद रहे।

मानसून के बाद सड़क सुधार के कार्य युद्धस्तर पर शुरू करें

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की अध्यक्षता में मंगलवार को सचिवालय में आयोजित कैबिनेट बैठक में प्रदेशभर की सड़कों की स्थिति और उनके सुधार के संबंध में विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। बैठक में नगर निगम, नगर पालिका परिषद एवं नगर पंचायत क्षेत्रों के साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों की सड़कों को दुरुस्त करने के लिए व्यापक स्तर पर कार्य करने पर चर्चा हुई।

मुख्यमंत्री ने कहा कि लोक निर्माण विभाग और प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई) सहित विभिन्न विभागों एवं संस्थाओं के अधीन आने वाली सड़कों को दुरुस्त करने के लिए प्रभावी कार्य योजना बनाई जाए। बैठक में पीएमजीएसवाई के अंतर्गत निर्मित ऐसी पुरानी सड़कों, जिनकी अनुरक्षण अवधि समाप्त हो चुकी है और जिनका नियमित रख-रखाव नहीं हो पा रहा है, को दुरुस्त करने के लिए राज्य सरकार की ओर से आवश्यक धनराशि उपलब्ध कराने के संबंध में भी विचार-विमर्श किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि मानसून समाप्त होते ही प्रदेशभर में सड़क सुधार के कार्य एक साथ युद्धस्तर पर शुरू किए जाने चाहिए। इसके लिए संबंधित विभाग अभी से आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित करते हुए निविदा प्रक्रिया समय से पूर्ण कर लें, ताकि बारिश समाप्त होने के बाद निर्माण एवं मरम्मत कार्य शुरू करने में किसी प्रकार का विलंब न हो। बैठक में शहरी क्षेत्रों की सड़कों की स्थिति में सुधार के लिए स्थानीय निकायों को आवश्यक धनराशि उपलब्ध कराने पर भी चर्चा की गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि नगर निगमों, नगर पालिका परिषदों एवं नगर पंचायतों को सड़क सुधार के लिए आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराए जाएं, ताकि शहरी क्षेत्रों की सड़कों को भी प्राथमिकता के आधार पर दुरुस्त किया जा सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि वे अक्टूबर माह से प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों का सड़क मार्ग से भ्रमण करेंगे। उन्होंने संबंधित विभागों को आपसी समन्वय से सड़कों के सुधार के लिए ठोस कार्य योजना बनाकर समयबद्ध रूप से कार्य करने को कहा। उन्होंने कहा कि प्रदेश में शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों की सड़कों को बेहतर और सुगम बनाने के लिए सभी संबंधित विभागों को समन्वित प्रयास करने होंगे।

खनिज ब्लॉकों की नीलामी प्रक्रिया को लेकर जिलाधिकारी ने की समीक्षा बैठक

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : जिला अधिकारी गौरव कुमार की अध्यक्षता में मंगलवार को जिला सभागार गोपेश्वर में खान मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा शुरू की गई महत्वपूर्ण खनिज ब्लॉकों की नीलामी प्रक्रिया के तहत समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में केंद्र सरकार की इस महत्वाकांक्षी खनिज ब्लॉक नीलामी प्रक्रिया की वर्तमान प्रगति, इसके सफल क्रियान्वयन और स्थानीय स्तर पर इसके समन्वय को लेकर विस्तृत चर्चा की गई।

जिलाधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि खान मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जनपद चमोली के कर्णप्रयाग एवं पोखरी क्षेत्रों को चिन्हित कर शामिल किया गया है। भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण, राज्य इकाई देहरादून द्वारा जनपद चमोली के उक्त क्षेत्रों का अन्वेषण किया गया एवं इन क्षेत्रों में तांबा, सीसा और जस्ता के भंडार पाए गए हैं। उन्होंने कहा कि जनपद में

प्रस्तावित उक्त क्षेत्रों के स्थलीय निरीक्षण हेतु राजस्व, वन विभाग, सिंचाई, भूतत्व एवं खनिकर्म, आपदा प्रबन्धन, एवं अन्य संबंधित विभागों की संयुक्त समिति गठित की गयी है। समिति को जल्द अपनी आख्या उपलब्ध कराने के निर्देश दिये गये है, ताकि इस सम्बन्ध में अग्रेत्तर कार्यवाही समय से पूर्ण की जा सके। इस दौरान बैठक में जिला खान अधिकारी अंकित चंद, जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी नंदकिशोर जोशी, उप प्रभागीय वनाधिकारी जुगल किशोर, सहायक अभियंता सिंचाई विभाग सुरेन्द्र सिंह सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

चीनी-गुड़ के दामों ने बिगाड़ा रसोई का बजट

उत्तरकाशी। रोजमर्रा की जरूरत में शामिल चीनी और गुड़ के दामों में पिछले दो सप्ताह से लगातार हो रही बढ़ोतरी ने आम उपभोक्ताओं की चिंता बढ़ा दी है। बड़कोट बाजार में चीनी के दाम 45 रुपये से उछलकर 66 रुपये प्रति किलो पहुंच गए हैं। वहीं गुड़ भी 60 रुपये से बढ़कर 75 रुपये किलो हो गया है। महज दो सप्ताह में चीनी के भाव में 21 रुपये और गुड़ में 15 रुपये प्रति किलो की बढ़ोतरी ने घरेलू बजट पर सीधा असर डालना शुरू कर दिया है।

नगरपालिका क्षेत्र के व्यापारियों विवेक रतूड़ी, धनपाल मिश्रवाण और राजेश उनियाल के अनुसार बाजार में दोनों उत्पादों के दामों में स्थिरता नहीं है। एक-दो रुपये की बढ़ोतरी दूसरे या तीसरे दिन ही देखने को मिल रही है। व्यापारियों के मुताबिक लगातार बदलते भाव के कारण दुकानदारों के साथ ग्राहकों में भी

असमंजस की स्थिति बनी हुई है। उन्हें आशंका है कि आने वाले दिनों में कीमतों में और इजाफा हो सकता है। उपभोक्ताओं का कहना है कि रोजमर्रा की जरूरत की वस्तुओं में इस तरह अचानक बढ़ोतरी होने से पहले से दबाव झेल रहे घरेलू बजट पर अतिरिक्त बोझ पड़ रहा है। वहीं खाद्य तेल के दामों में भी मामूली बढ़ोतरी बताई जा रही है, हालांकि अन्य प्रमुख खाद्य वस्तुओं के भाव फिलहाल सामान्य हैं। व्यापारियों का कहना है कि चीनी और गुड़ के बाजार भाव रोजाना बदल रहे हैं।

जयन्त

संस्थापक : नरेन्द्र उनियाल

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित।

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र कोटद्वार, (गढ़वाल) उत्तराखण्ड होगा।

CONT. 9412081969

PRGI NO. 35469/79

बल्लेबाजी नहीं, अब गेंदबाजी में भी वैभव का जलवा

बंगलूरू एजेंसी। दलीप ट्रॉफी में ईस्ट जोन और नॉर्थ ईस्ट जोन के बीच मुकाबला जारी है। बंगलूरू के सीओई में खेले जा रहे इस मुकाबले में भले ही वैभव सूर्यवंशी बल्लेबाजी में कोई कमाल न दिखा पाए हों, लेकिन गेंदबाजी में उनका जलवा जारी है। ईस्ट जोन से खेल रहे वैभव ने नॉर्थ ईस्ट जोन की दूसरी पारी में महज चार गेंदों में दो विकेट झटके। उन्होंने तीन ओवर का स्पेल डाला, जिसमें 11 रन खर्च किए और दो विकेट लिए।

पहली पारी में वैभव ने नहीं की गेंदबाजी

दरअसल, मैच में ईस्ट जोन ने पहले बल्लेबाजी करते हुए अपनी पहली पारी में 467 रन बनाए थे। वैभव छह गेंद में दो चौके की मदद से आठ रन बना पाए थे। इसके बाद उनकी आलोचना भी हुई थी और सवाल भी उठे थे कि क्या वह रेड बॉल क्रिकेट के लायक हैं। हालांकि, ईस्ट जोन ने कुमार कुशाग्र के 55 रन, सुदीप कुमार घरामी के 146 रन और शाहबाज अहमद के 167 रन की बदौलत पहाड़ जैसा स्कोर खड़ा किया। जवाब में नॉर्थ ईस्ट जोन की पहली पारी 111 रन पर सिमट गई। इस तरह उन्हें फॉलो ऑन खेलने पर मजबूर होना पड़ा। पहली पारी में वैभव ने गेंदबाजी नहीं की।

गेंद से जवाब

मैच में सूर्यवंशी बल्ले से ज्यादा प्रभाव नहीं छोड़ सके। हालांकि, उन्होंने जल्द ही गेंदबाजी से इसकी भरपाई कर दी। किशोर खिलाड़ी ने अपनी गेंदबाजी से दिखाया कि उनकी क्रिकेटिंग क्षमता सिर्फ आक्रामक बल्लेबाजी तक सीमित नहीं है। सूर्यवंशी पहले ही अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी और गेंदबाजों पर आक्रमण करने की क्षमता के लिए सुर्खियां बटोर चुके हैं।

विकेट झटके और चौंकाया

हालांकि, फॉलोऑन खेलते हुए भी नॉर्थ ईस्ट जोन ने एक वक्त 102 रन बनाने में आठ विकेट गंवा दिए थे। इनमें दो विकेट वैभव ने लिए। उन्होंने अपने दूसरे ओवर की दूसरी गेंद पर मध्यक्रम के बल्लेबाज किशन लिंगडोह को आउट किया। किशन अच्छी बल्लेबाजी कर रहे थे और 40 गेंद में दो चौके और एक छक्के की मदद से 25 रन बना लिए थे। वैभव ने उन्हें कैच आउट कराया। फिर ओवर की पांचवीं गेंद पर लोअर ऑर्डर के बल्लेबाज इमलीवाती लेमतुर को ईशान किशन के हाथों कैच कराया। इमलीवाती चार रन बना सके। वैभव एक लेफ्ट आर्म ऑर्थोडॉक्स स्पिनर हैं। हालांकि, उनकी गेंद नॉर्थ ईस्ट जोन के बल्लेबाजों को समझ नहीं आई। फॉलो ऑन खेलते हुए नॉर्थ ईस्ट जोन की पूरी टीम 146 रन पर सिमट गई और ईस्ट जोन ने मुकाबला पारी और 210 रन से अपने नाम किया। वैभव के अलावा अनुकूल रॉय ने पांच विकेट लिए। वहीं, मुकेश कुमार, अभिजीत सरकार और शाहबाज को एक-एक विकेट मिला।

सूर्यवंशी ने छोड़ी अपनी छाप

दलीप ट्रॉफी में सूर्यवंशी की एंट्री नए सीजन की शुरुआत के साथ हुई है। युवा खिलाड़ी ने टी20 क्रिकेट की तेज-तर्रार मांगों से अब लंबे प्रारूप की चुनौती का रुख किया है। उन्हें ईस्ट जोन का उपकप्तान भी बनाया गया है। हालांकि, उनकी उम्र और प्रथम श्रेणी क्रिकेट में सीमित अनुभव को देखते हुए यह फैसला कुछ लोगों के लिए हैरानी भरा भी था।

संक्षिप्त समाचार

कोको गॉफ और आर्थर फिल्स चैंपियन बने

मेसन (अमेरिका) (एजेंसी)। कोको गॉफ ने हमवतन अमेरिकी खिलाड़ी जेसिका पेगुला को सीधे सेटों में हराकर सिनसिनाटी ओपन टेनिस टूर्नामेंट का महिला एकल खिताब दूसरी बार अपने नाम कर लिया। वहीं, पुरुष एकल के फाइनल में फ्रांस के आर्थर फिल्स ने अमेरिका के फ्रांसिस टियाफो को हराकर अपने करियर का पहला एटीपी मास्टर्स 1000 खिताब जीत लिया। महिला एकल के फाइनल में कोको गॉफ ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जेसिका पेगुला को 6-2, 6-4 से मात दी। गॉफ ने मैच की शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया और पहले सेट में 5-0 की मजबूत बढ़त हासिल करने के बाद उसे 6-2 से अपने नाम किया। दूसरे सेट में पेगुला ने वापसी करने की कोशिश की और स्कोर को 5-4 तक पहुंचा दिया। हालांकि, गॉफ ने दबाव में शानदार संयम दिखाया और मैच जीतकर सिनसिनाटी में अपना दूसरा महिला एकल खिताब जीत लिया। गॉफ ने मुकाबले के दौरान मिले छह में से पांच ब्रेक प्वाइंट को भुनाया। पेगुला ने सेमीफाइनल में मौजूदा चैंपियन इगा स्वियातेक को हराया था, जबकि गॉफ ने सारा बेजलेक को मात देकर फाइनल में जगह बनाई थी। इसके साथ ही सिनसिनाटी ओपन में 56 वर्षों बाद दो अमेरिकी महिला खिलाड़ियों के बीच महिला एकल का फाइनल खेला गया। इससे पहले वर्ष 1970 में सिनसिनाटी ओपन के महिला फाइनल में अमेरिका की रोजी कैसल्स और नैन्सी रिची आमने-सामने हुई थीं। उस मुकाबले में कैसल्स ने जीत दर्ज की थी। गॉफ इससे पहले वर्ष 2023 में कैरोलिना मुचोवा को हराकर सिनसिनाटी ओपन का अपना पहला खिताब जीत चुकी थीं। अब उन्होंने दूसरी बार ट्रॉफी अपने नाम कर इस टूर्नामेंट में अपनी मजबूत पकड़ साबित की है।

अंपायर पर हमले का आरोपी 36 साल बाद पकड़ा गया

मुंबई (एजेंसी)। 1990 में मुंबई के बोरीवली इलाके में क्रिकेट मैच के दौरान अंपायर पर हमला करने के आरोपी ओमप्रकाश ललता पासी को 36 साल बाद गिरफ्तार किया गया है।घटना के वक्त पासी 18 साल का था। पासी आउट दिए जाने से नाराज होकर उसने अंपायर पर बल्ले से हमला किया था। हमले में अंपायर गंभीर रूप से घायल हो गया था। इसके बाद पासी मौके से भाग गया।पासी पर हत्या की कोशिश का मामला दर्ज है। अब 55 साल का पासी पड़ोसी ठाणे जिले के मीरा रोड इलाके में रह रहा था।

तकनीकी जांच से आरोपी तक पहुंची पुलिस- एक अधिकारी ने बताया, 'बोरीवली पुलिस की तकनीकी जांच और लगातार कोशिशों से पासी का पता लगाया गया।' पुलिस के अनुसार 1990 में पासी बोरीवली में क्रिकेट मैच खेलने गया था। अंपायर ने उसे आउट करार दिया, जिससे नाराज होकर उसने अपने पास मौजूद क्रिकेट बैट से अंपायर पर हमला कर दिया।

हॉकी : भारतीय पुरुष टीम के खराब प्रदर्शन के बाद दिग्गजों ने उठाए सवाल

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय पुरुष हॉकी टीम का विश्व कप में 51 साल बाद पदक जीतने का इंतजार इस बार भी खत्म नहीं हो सका। अर्जेंटीना के खिलाफ 3-5 की हार के साथ टीम की सेमीफाइनल में पहुंचने की उम्मीदें भी समाप्त हो गईं। इस हार ने पेरिस ओलंपिक के बाद से टीम के प्रदर्शन में नजर आ रही कमजोरियों को एक बार फिर सामने ला दिया है।

पूर्व दिग्गज खिलाड़ियों का मानना है कि समस्या सिर्फ धीमी शुरुआत, मौकों को गंवाने या डिफेंस में चूक तक सीमित नहीं है। उनका कहना है कि युवा खिलाड़ियों को समय रहते मौके नहीं देना और एक ही कोर ग्रुप पर लगातार निर्भर रहना भी टीम के लिए नुकसानदेह साबित हुआ है।

युवा खिलाड़ियों को मौका नहीं देने पर सवाल

पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने के बाद संन्यास लेने वाले पूर्व गोलकीपर पीआर श्रीजेश ने टीम में युवा खिलाड़ियों को समय पर शामिल नहीं किए जाने पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि लॉस एंजिलिस ओलंपिक में अब ज्यादा समय नहीं बचा है और इतने कम अंतरराष्ट्रीय मैचों में नए खिलाड़ियों को तैयार करना मुश्किल होगा।

श्रीजेश ने कहा, 'सीनियर खिलाड़ियों के जाने के बाद उनकी जगह कौन लेगा। क्या हमने दूसरी जमात तैयार की है। लॉस एंजिलिस ओलंपिक में दो ही साल बचे हैं और उससे पहले करीब तीस अंतरराष्ट्रीय मैच ही होंगे। क्या ओलंपिक के लिये इससे खिलाड़ी तैयार हो सकते हैं। नहीं।' उन्होंने कहा, 'विश्व कप की टीम में भी वही कोर खिलाड़ी हैं जबकि मनमीत सिंह, आमिर अली, रोशन कुजूर, तालेम प्रियब्रत, रोहित, अर्शदीप जैसे कई प्रतिभाशाली जूनियर इंतजार ही कर रहे हैं।'

चयन के पर भी उठे सवाल

पूर्व ओलंपियन जगबीर सिंह ने भी चयन प्रक्रिया को लेकर सवाल उठाए। उनका मानना है कि जूनियर खिलाड़ियों को सही समय पर अवसर दिए जाने चाहिए थे और कुछ चयन फैसलों को बेहतर किया जा सकता था। जगबीर सिंह ने कहा, 'जूनियर खिलाड़ियों को सही समय पर मौके मिलने चाहिये और चयन के कुछ फैसले बेहतर हो सकते थे। तैयारी ओलंपिक से ओलंपिक की होनी चाहिये। कोचिंग स्टाफ ने अनुभव को ही तरजीह दी जो काम नहीं आया। भारत के पास यह सर्वश्रेष्ठ मौका था लेकिन प्रदर्शन में निरंतरता नहीं दिखी। हर दस मिनट में डिफेंस चरमरा रहा था।'

घरेलू ढांचे को बताया कमजोर

पूर्व ओलंपियन परगट सिंह ने भारतीय हॉकी के घरेलू ढांचे को लेकर चिंता जताई। उनका मानना है कि अच्छी घरेलू प्रतियोगिताओं की कमी के कारण टीम के पास मजबूत बेंच स्ट्रेंथ तैयार नहीं हो पा रही है। परगट सिंह ने कहा, 'अच्छी घरेलू स्पर्धायें नहीं होने से हमारे पास अच्छी बेंच स्ट्रेंथ नहीं है। यूरोप में कई डिविजन की लीग होती है जो हमारे यहां नहीं है। पहले बेटन कप, आगा खान कप, बांबे गोल्ड कप, मुरूगप्पा कप, नेहरू हॉकी से अच्छी प्रतिभायें निकलती थी। सारा ढांचा ही खराब कर दिया है। इसके अलावा नये खिलाड़ियों को मौका देना था तो दो साल पहले ही बदलाव की शुरूआत कर देनी चाहिये थी।

भास्करन ने फॉरवर्ड और मिडफील्ड पर उठाए सवाल

ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता और पूर्व कप्तान वासुदेवन भास्करन ने भारतीय टीम के आक्रमण और मिडफील्ड के प्रदर्शन पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि पिछले चार साल में भारतीय फॉरवर्ड लाइन का प्रदर्शन उन्हें प्रभावित नहीं कर सका। भास्करन ने कहा, 'मैंने पिछले चार साल में किसी भारतीय फॉरवर्ड को अच्छा खेलते नहीं देखा। बैक पास कहां थे, गोल पर कितने हमले किये और फुल प्रेस जाने के समय मिडफील्ड पूरा खाली छोड़ दिया।'

उन्होंने टीम में नए खिलाड़ियों को मौके नहीं देने पर भी सवाल उठाया। भास्करन ने कहा, 'हमने नये खिलाड़ियों को मौके ही नहीं दिये। नीदरलैंड की पेरिस ओलंपिक टीम के छह स्वर्ण पदक विजेता खिलाड़ी विश्व कप टीम में नहीं थे। हम हमदर्दी, पिछले रिकॉर्ड और आंकड़ों पर ही टीम चुन लेते हैं। कम से कम छह जूनियर खिलाड़ियों को प्रो लीग में आजमाना चाहिये था।' उन्होंने जूनियर विश्व कप कांस्य पदक विजेता कोच श्रीजेश से सलाह नहीं लिए जाने पर भी सवाल उठाया। उनका कहना था कि दूसरे देशों में जूनियर कोचों की भूमिका अहम होती है और वे सीनियर कोचों को भी अपनी राय देते हैं।

जीसीटी ग्रैंड फिनाले: फाइनल में पहुंचे प्रज्ञानंद

नई दिल्ली। भारतीय ग्रैंडमास्टर आर. प्रज्ञानंद ने जर्मनी के विंसेंट कीमर पर 19-9 की शानदार जीत हासिल करके आसानी से ग्रैंड शतरंज टूर (जीसीटी) के अंतिम चरण के फाइनल में जगह बनाई। प्रज्ञानंद का फाइनल में मुकाबला खिताब के प्रबल दावेदार और मौजूदा चैंपियन अमेरिका के फैबियानो कारुआना से होगा।

प्रज्ञानंद ने अब तक किया है शानदार प्रदर्शन

भारतीय खिलाड़ी ने दूसरा क्लासिकल गेम जीतने के बाद अंतिम दिन से पहले छह अंकों की बड़ी बढ़त हासिल कर ली थी। उन्होंने लगातार दो रैपिड मुकाबलों में कीमर को हराकर 17-3 की अजेय बढ़त हासिल करके फाइनल में अपनी जगह पक्की कर दी। इसके बाद ब्लिट्ज के पहले गेम में एक और जीत ने उनके अंकों की संख्या 19 तक पहुंचा दी। कीमर ने आखिरी तीन ब्लिट्ज गेम जीतकर वापसी की, लेकिन इससे हार का अंतर ही कम हुआ। कारुआना ने ब्लिट्ज गेम में अपने शानदार प्रदर्शन के दम पर 18-9 से जीत हासिल की। उन्होंने मौकों का पूरा फायदा उठाया और अमेरिका के अपने हमवतन खिलाड़ी वेस्ली सो को हराया।

बालाजी-चंद्रशेखर बने चैम्पियन

मैक्सिको (एजेंसी)। भारत के एन. श्रीराम बालाजी और अनिरुद्ध चंद्रशेखर ने मैक्सिको में खेले गए कानकुन कंट्री टेनिस ओपन का डबल्स खिताब जीत लिया है।

भारतीय जोड़ी ने फाइनल में मैक्सिको के मिगुएल एंजेल रेयेस-वरेला और बेलारूस के इवान ल्युटारेविच को 6-3, 7-6(4) से हराया।इस जीत के साथ बालाजी और अनिरुद्ध को 125-125 एसोसिएशन ऑफ टेनिस प्रोफेशनल्स रैंकिंग पॉइंट्स और 9,900 डॉलर (करीब 9.5 लाख रुपए) की इनामी राशि मिली।

पहले सेट में 6-3 से जीते, दूसरा टाईब्रेकर में

फाइनल के पहले सेट में दोनों जोड़ियों के बीच मुकाबला कड़ा रहा, लेकिन भारतीय जोड़ी ने अहम मौकों पर बढ़त बनाते हुए सेट 6-3 से अपने नाम किया।भारतीय जोड़ी ने पहली सर्विस पर 68 प्रतिशत और दूसरी सर्विस पर 81 प्रतिशत अंक जीते। दूसरे सेट में भी मुकाबला बराबरी का रहा और सेट टाईब्रेकर तक पहुंचा।बालाजी और अनिरुद्ध ने टाईब्रेकर में 7-4 से जीत दर्ज की और 7-6(4) से दूसरा सेट अपने नाम करते हुए खिताब जीत लिया।

श्रीलंका मुश्किल में, मंडराया फॉलोऑन का खतरा

कोलंबो(एजेंसी)। कोलंबो टेस्ट में श्रीलंका पर फॉलोऑन का खतरा मंडरा रहा है। उसने भारत के खिलाफ पहली पारी में 257 रन पर 8 विकेट गंवा दिए हैं। मंगलवार को मैच के तीसरे दिन श्रीलंका को फॉलोऑन बचाने के लिए 47 रन और बनाने हैं। भारत ने पहली पारी में 503 रन बनाए थे।

सोनल दिनूषा फिफ्टी बनाकर खेल रहे हैं। लाहिरू कुमारा उनका साथ दे रहे हैं। पसिंदु सूरियाबंडारा ने 133 गेंदों पर 80 रन की पारी खेलकर श्रीलंका की पारी संभालने की कोशिश की, लेकिन रवींद्र जडेजा ने उन्हें बोल्ड कर दिया।

मोहम्मद सिराज ने निरोशन डिकवेला को बिना खाता खोले पवेलियन भेज दिया। भारत की ओर से प्रसिद्ध कृष्णा और मानव सुथार ने 3-3 विकेट लिए। रवींद्र जडेजा और मोहम्मद सिराज को एक-एक विकेट मिला।

श्रीलंका ने पहली पारी में 250 रन का आंकड़ा पार कर लिया है। लाहिरू कुमारा ने रवींद्र जडेजा के ओवर की आखिरी बॉल पर चौका लगाया। इसी चौके से टीम 250 पार पहुंच गई।69वें ओवर में श्रीलंका ने 8वां विकेट गंवा दिया। मानव सुथार ने केशरा नुवानथा को सारांश जैन के हाथों कैच कराया। सुथार की गेंद पर नुवानथा ने मिड-ऑफ के ऊपर से बड़ा शॉट खेलने की कोशिश की, लेकिन गेंद ऊंची नहीं उठी और सरांश जैन ने आसान कैच लपक लिया।

प्रभाथ जयसूर्या पर आईसीसी की कार्रवाई

श्रीलंका के स्पिनर प्रभाथ जयसूर्या पर भारत के खिलाफ कोलंबो टेस्ट के दूसरे दिन आईसीसी ने कार्रवाई की है। जयसूर्या को आईसीसी कोड ऑफ कंडक्ट के लेवल-1 के उल्लंघन का दोषी पाया गया और उन्हें आधिकारिक फटकार लगाई।जयसूर्या ने आर्टिकल 2.2 का उल्लंघन किया, जो अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान क्रिकेट उपकरण, कपड़ों, मैदान के उपकरण या फिक्स्चर को नुकसान पहुंचाने या उसका गलत इस्तेमाल करने से जुड़ा है।दिन की आखिरी गेंद पर आउट होने के बाद पवेलियन लौटते समय जयसूर्या ने अपने बल्ले से बाउंड्री रोप पर बैट मारा था। उनके रिकॉर्ड में एक डिमेरिट पॉइंट भी जोड़ा गया है।

28 अगस्त से शुरू होगा महिला टी-20 एशिया कप 2026 का रोमांच

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने एसीसी महिला टी20 एशिया कप 2026 में भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले बहुप्रतीक्षित मुकाबले से पहले बड़ा बयान दिया है। हरमनप्रीत ने स्वीकार किया कि भारत-पाकिस्तान मैच का दबाव किसी अन्य अंतरराष्ट्रीय मुकाबले से बिल्कुल अलग होता है। हालांकि, उन्होंने जोर दिया कि खिलाड़ियों को नतीजे की चिंता करने के बजाय अपनी योजना, रूटीन और टीम की जरूरत पर ध्यान देना चाहिए।

महिला टी20 एशिया कप 2026 का

और पाकिस्तान की टीमें 5 सितंबर को ग्रुप स्टेज के हाई-वोल्टेज मुकाबले में आमने-सामने होंगी।

हरमनप्रीत कौर ने कहा कि भारत-पाकिस्तान मुकाबले में खिलाड़ियों पर मानसिक दबाव काफी ज्यादा होता है और इस मुकाबले की अहमियत अन्य बड़े अंतरराष्ट्रीय मैचों से अलग होती है।

हरमनप्रीत ने मीडिया से कहा, 'इसमें कोई शक नहीं कि यह एक हाई-प्रेशर गेम है और एक खिलाड़ी के तौर पर आपको कई चीजों से निपटना पड़ता है। हम लगातार अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलते हैं, लेकिन भारत-पाकिस्तान दबाव कहीं और महसूस नहीं होता।' उन्होंने आगे कहा, 'आप कई बड़े मुकाबले खेल सकते हैं, लेकिन उस तरह का दबाव महसूस नहीं होता। कहीं न कहीं हमें पता होता है कि हर भारतीय यह मैच देख रहा है। सिर्फ क्रिकेट फैंस ही नहीं, बल्कि हर भारतीय की नजर इस मैच पर होती है, क्योंकि यह मुकाबला हम सभी के लिए बहुत अहम होता है।' भारतीय कप्तान ने कहा कि ऐसे मुकाबलों में अतिरिक्त दबाव लेने के बजाय खिलाड़ियों के लिए अपने खेल पर ध्यान केंद्रित करना जरूरी है। उन्होंने कहा कि वह कप्तान और खिलाड़ी, दोनों भूमिकाओं में चीजों को आसान और सरल